बालमन

Powered by Teachers of Bihar

वर्ष 2024

माह जनवरी

अंक 25

प्रधान संपादक :-धीरज कुमार [U.M.S. सिलौटा , भभुआ (कैमूर)]

Dheeraj Kumar- +91 9431680675

Teachers of Bihar - +91 7250818080

info@teachersofbihar.org | teachersofbihar@gmail.com

wwww.teachersofbihar.org

कार्यालय जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर (भभुआ)

शिक्षा भवन, भागीरथी मुक्ताकाश मंच भभुआ,

(मो०-8544411411 email-deokaimur.edn@gmail.com)

"शुभकामना संदेश"

मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि विद्यालय के छात्र/छात्राओं को जागरूक बनाने तथा प्रतिभावान बच्चों के प्रतिभा का प्रदर्शन विभिन्न स्तर पर करने के उद्देश्य से "**बाल मन कैमूर**" पत्रिका का मासिक प्रकाशन किया जा रहा है।

इस प्रकार के प्रकाशन, बच्चों के सृजनात्मक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे बच्चों के सुनहरे भविष्य के लिए मार्ग प्रशस्त होगा।

आशा है कि इस पत्रिका से बच्चे, शिक्षक एवं समाज में साकारात्मक सोंच विकसित होगा।

मैं सुमन शर्मा, जिला शिक्षा पदाधिकारी, कैमूर इस उपयोगी लेखन के लिए बधाई देते हुए "**बाल मन कैमूर**" के प्रकाशन की सफलता हेतु अपनी शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

(सुमन शर्मा)
जिला शिक्षा पदाधिकारी
कैमूर (भभुआ)

सम्पादकीय

प्यारे बच्चों,
नमस्कार

जन्म से नहीं अपने कर्म से हम महान बनते हैं । आप सभी जिस तरह से बालमन से जुड़ कर अपनी प्रतिभा और कला को हम तक पहुंचाते हैं,राज्य स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर सभी को पसंद आ रही है। धीरे -धीरे आपकी प्रतिभा मे भी निखार आ रहा है। हमे अपार खुशी के साथ कहना हैं कि टीचर्स ऑफ बिहार के पांच वर्ष और बालमन के दो वर्ष इस माह में पूरे हो रहे है।सभी को बहुत बहुत बधाई।नव वर्ष का आगमन हो चुका है।इस नव वर्ष में नए संकल्प के साथ आप आगे बढ़ेंगे।ठंड से बचाते हुए ख़ुद को पढ़ाई से जोड़ेंगे और बाहर निकलने से पहले पूरे शरीर को ऊनी कपड़ों से ढंक कर रहेंगे।हम सभी लगातार आपके साथ है।

बच्चो !दिन - प्रतिदिन बालमन टीम द्वारा प्राप्त पोस्ट से आपके उत्साह को देख कर मुझे बहुत खुशी हो रही है। पत्रिका के इस अंक को आपको समर्पित करते हुए हमे बहुत खुशी हो रही है। आज का जमाना सोशल मीडिया का है।यदि आपके पास कला है तो उसे अपने शिक्षको से जरूर साझा करे और बालमन की टीम के माध्यम से उसे जरूर हम तक जरूर पहुंचाए।इसके साथ ही मासिक टैलेंट सर्च प्रतियोगिता में शामिल होने के लिएआप सभी को धन्यवाद।

हमारी TOB बाल मन कैमूर पत्रिका की टीम बेहतर से बेहतर करने के लिए सदा प्रयत्नशील है।अनजाने में कोई भूल या त्रुटि हुई हो तो उसके लिए हम क्षमाप्रार्थी है।हम आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते है।

आपका
धीरज कुमार
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा
भभुआ(कैमूर)
मो . 9431680675

TEACHERS OF BIHAR

बालमन

सहयोगी सदस्य

माह : दिसम्बर

बालमन चांद प्रधान संपादक : प्रमोद कुमार "निराला"
(कन्या मध्य विद्यालय चांद)

बालमन कुदरा प्रधान संपादक : कमलेश कुमार
(U.H.S. हरदासपुर , कुदरा)

विज्ञान कॉर्नर: राजेश कुमार सिंह
(महाबल भृंगनाथ +2 उच्च माध्यमिक विद्यालय कोरिगांवा बहेरा ,भभुआ)

दर्शनीय स्थल सह रोचक गणित : कुमार राकेश मणि
(UHS कोटा, नुआंव)

शिक्षण अधिगम सामग्री : अवधेश राम
(UMS बहुआरा, भभुआ)

Teachers of Bihar

बालमन

अनमोल विचार

छोटी कक्षा में अच्छी शिक्षा मिलना ही
पढ़ाई-लिखाई का सबसे जरूरी हिस्सा होता है।
बच्चों को शुरू से ही अच्छे संस्कार देना चाहिए।

प्लेटो

बिहार राज्य प्रार्थना गीत

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे
वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे
मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे
इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे
आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे
दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे
जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय बिहार

एम. आर. चिश्ती

www.teachersofbihar.org

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार, तुझको शत-शत वंदन बिहार
तू वाल्मीकि की रामायण, तू वैशाली का लोकतंत्र
तू बोधिसत्व की करूणा है, तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप, तू हीं अक्षत चंदन बिहार
तू है अशोक की धर्मध्वजा, तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह, तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि, धरती का नंदन वन बिहार
तेरी गौरव गाथा अपूर्व, तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान, अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक,
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार,
मेरे भारत के कंठहार

• सत्यनारायण

टीचर्स ऑफ बिहार गीत

एम आर चिश्ती

चांद तारों को साथ लाएंगे,
हम बहारों को साथ लाएंगे।

जैसे आती नहीं नज़र दुनिया,
हम बनाएंगे वो हंसी दुनिया,
हौसला और अपनी मंज़िल से,
सब नज़ारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

प्रेम की रोशनी जो बिखेरेगी
और प्रतिभा सबकी निखेरेगी,
खींच लेंगे गगन से इंद्रधनुष
बहते धारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

हम हैं निर्माता अपने भारत के,
पूरे करने हैं सपने भारत के
हम कलम के वही सिपाही है
जो हज़ारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे....

हमने माना, टीचर्स ऑफ़ बिहार
दीप ऐसा जलाएगा इस बार,
हम नवाचारी शिक्षा की रह में
बेसहारों को साथ लाएंगे।
चांद तारों को साथ लाएंगे...

www.teachersofbihar.org

TEACHERS OF BIHAR

बालमन प्रेरक प्रसंग

जनवरी 2024

गिलास

एक प्रोफेसर कक्षा में दाखिल हुए। उनके हाथ में पानी से भरा एक गिलास था। उन्होंने उसे बच्चों को दिखाते हुए पूछा, “यह क्या है?” छात्रों ने उत्तर दिया, “गिलास।” प्रोफेसर ने दोबारा पूछा, “इसका वजन कितना होगा ?” उत्तर मिला, “लगभग 100-150 ग्राम।” उन्होंने फिर पूछा, “अगर मैं इसे थोड़ी देर ऐसे ही पकड़े रहूं तो क्या होगा ?” छात्रों ने जवाब दिया, “कुछ नहीं।” “अगर मैं इसे एक घण्टे पकड़े रहूं तो ?” प्रोफेसर ने दोबारा प्रश्न किया। छात्रों ने उत्तर दिया, “आपके हाथ में दर्द होने लगेगा।” उन्होंने फिर प्रश्न किया, “अगर मैं इसे सारा दिन पकड़े रहूं तो क्या होगा” ? तब छात्रों ने कहा, “आपकी नसों में तनाव हो जाएगा। नसें संवेदनशून्य हो सकती हैं। जिससे आपको लकवा हो सकता है।” प्रोफेसर ने कहा, “बिल्कुल ठीक। अब यह बताओ क्या इस दौरान इस गिलास के वजन में कोई फर्क आएगा ?” जवाब था कि नहीं। तब प्रोफेसर बोले, “यही नियम हमारे जीवन पर भी लागू होता है। यदि हम किसी समस्या को थोड़े समय के लिए अपने दिमाग में रखते हैं। तो कोई फर्क नहीं पड़ता। लेकिन अगर हम देर तक उसके बारे में सोचेंगे तो वह हमारे दैनिक जीवन पर असर डालने लगेगी। हमारा काम

सोशल मीडिया से

2024

Happy New Year

Teacher's of Bihar wishes all happiness and prosperity for each and every one.

www.teachersofbihar.org

Madhu priya

TEACHERS OF BIHAR

5th Anniversary

Wonderful 5 years

20 JANUARY 2024

शिक्षा के क्षेत्र में यदि कुछ अच्छा कर अपनी प्रतिभा को एक पहचान दिलाना है।
आइए हाथ से हाथ मिला टीचर्स ऑफ बिहार के संग मिलकर बिहार को आगे बढ़ाना हैं।

Happy birthday Teachers Of Bihar

WWW.TEACHERSOFBIHAR.ORG

Dhiraj Kumar

शिव कुमार

संस्थापक
टीचर्स ऑफ बिहार

टीचर्स ऑफबिहार के
पांचवी वर्षगांठ सह ToB
बालमन की दूसरी
वर्षगांठ पर समस्त
शिक्षकों और विद्यार्थियों
को हार्दिक बधाई।

धीरज कुमार

प्रधान संपादक
ToB बालमन पत्रिका

पद्य पंकज

“

यदि आप इस लिए रोते हैं कि
कोई सुरज आपके जीवन से
बाहर चला गया है,
तो आपके आंसू आपको सितारों
को भी देखने से रोकेंगे।

रविन्द्र नाथ टैगोर

Madhu priya

www.padyapankaj.teachersofbihar.org

1 मिनट में 5 अंतर खोजे

आप तैयार है न.....

बालमन

टीचर्स ऑफ बिहार बालमन की कलम से...

इस धरती पर जन्म लेने वाले प्रत्येक बच्चों में कुछ न कुछ विशेष प्रतिभा जरूर होती हैं। हम ये भी कह सकते है की हर बच्चे कलाकार होते हैं। घर के आंगनरूपी विद्यालय से माता-पिता और अभिभावकों के बीच बच्चें अपनी कला प्रदर्शन करते हैं। विद्यालय में भी बच्चें अपने मार्गदर्शक शिक्षको के सानिध्य में अपनी कला को प्रदर्शित करते हैं।

बालमन क्या हैं ?

सरकारी विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों की प्रतिभा और कलाकारी केवल विद्यालयों तक सीमित न रहते हुए राज्य स्तर और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाए,इसी उद्देश्य से बच्चों के मन में कला के प्रति उत्पन्न सोच को विभिन्न रूपों में एक जगह संग्रहित कर सम्मानित सह प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से टीचर्स ऑफ बिहार के सौजन्य से बालमन पत्रिका की शुरुआत की गई। बालमन पत्रिका बच्चों के लिए एक प्लेटफॉर्म है जिसके माध्यम से दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चें उत्साहपूर्वक अपनी कला का प्रदर्शन करते है और अपनी कला और प्रतिभा के लिए बालमन द्वारा सम्मानित भी होते हैं। बालमन पत्रिका राज्य स्तर, जिला स्तर,प्रखंड,स्तर,संकुल स्तर और विद्यालय स्तर पर भी बच्चों के लिए बहुत उपयोगी,ज्ञानवर्धक और रोचक ज्ञान से परिपूर्ण एक मासिक e - पत्रिका है।

www.teachersofbihar.org/publication/balman

Note: तिथि विस्तारित हो सकती है।

अमरेन्द्र कुमार

विश्व के धरोहर

बृहदीश्वर मन्दिर

बृहदीश्वर मन्दिर या राजराजेश्वरम् तमिलनाडु के तंजौर में स्थित एक हिंदू मंदिर है जो 11वीं सदी के आरम्भ में बनाया गया था। इसे पेरुवुटैयार कोविल भी कहते हैं। यह मंदिर पूरी तरह से ग्रेनाइट निर्मित है। विश्व में यह अपनी तरह का पहला और एकमात्र मंदिर है जो कि ग्रेनाइट का बना हुआ है। यह अपनी भव्यता, वास्तुशिल्प और केन्द्रीय गुम्बद से लोगों को आकर्षित करता है। इस मंदिर को यूनेस्को ने विश्व धरोहर घोषित किया है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) ने हाल ही में बताया है कि हर साल लगभग **18.9 लाख** लोग ज्यादा **नमक** खाने से मारे जा रहे हैं। नमक की वजह से हाई **ब्लड प्रेशर** और **दिल की समस्याओं** में बढ़ौतरी हो रही है, जिस कारण ज्यादातर **मौत** हो रही है।

ToB बालमन कलाकार

भाग - 1

अर्चना कुमारी
वर्ग 8
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा, भभुआ

Atish Kumar
Class 5
N.P.S.Bheri(Chand) Kaimur

एकता कुमारी
दरभंगा

छोटी कुमारी
वर्ग 8
उत्क्रमित मध्य विद्यालय खजरा, मोहनियां

आशीष कुमार
वर्ग 8
उत्क्रमित मध्य विद्यालय दुघरा, भभुआ

उत्क्रमित मध्य विद्यालय भोखरी, मोहनियां

ToB बालमन कलाकार भाग 2

Happy birthday ToB

हेकाक इंस्टीट्यूशन मध्य विद्यालय लहेरियासराय दरभंगा (बिहार)

उत्क्रमित मध्य विद्यालय दुघरा भभुआ, कैमूर

बालमन चांद से

उत्क्रमित मध्य विद्यालय अर्रा मोहनियां कैमूर

TEACHERS OF BIHAR

बालमन

12nd Anniversary

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

TOB बालमन टीम की तरफ से
आप सभी को बहुत बहुत बधाई।

आपके प्रतिभा का हम करते है सम्मान।
ToB बालमन के साथ अपनी प्रतिभा को दे एक नया आयाम।

शिव कुमार
संस्थापक
टीचर्स ऑफ बिहार

धीरज कुमार
प्रधान संपादक
ToB बालमन पत्रिका

www.teachersofbihar.org

ToB बालमन कलाकार

भाग 3

संध्या कुमारी
वर्ग 5
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा
भभुआ(कैमूर)

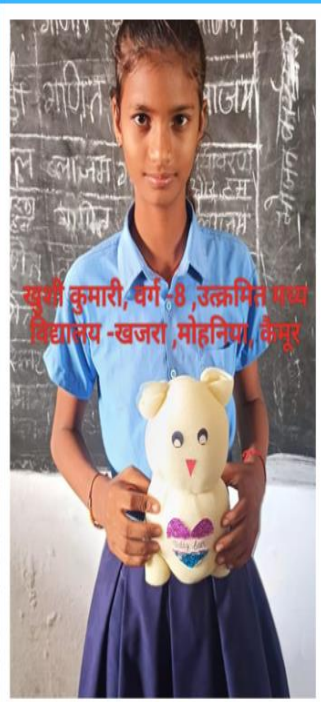

UMS खजरा , मोहनियां
आदित्री कुमारी
वर्ग 5

पवन कुमार
वर्ग 4
UHS कोटा, नुआंव

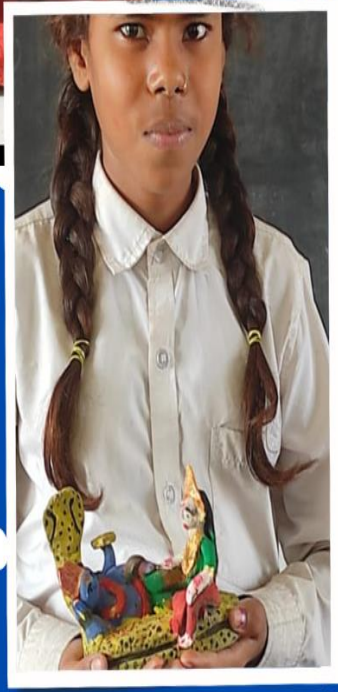

UMS PADHI,CHAND

ToB बालमन नन्हें कलाकार भाग 4

UMS अर्रा, मोहनियां

UMS भोखरी ,मोहनियां

कागज का सेव
UMS सरौनी कला, मधेपुरा

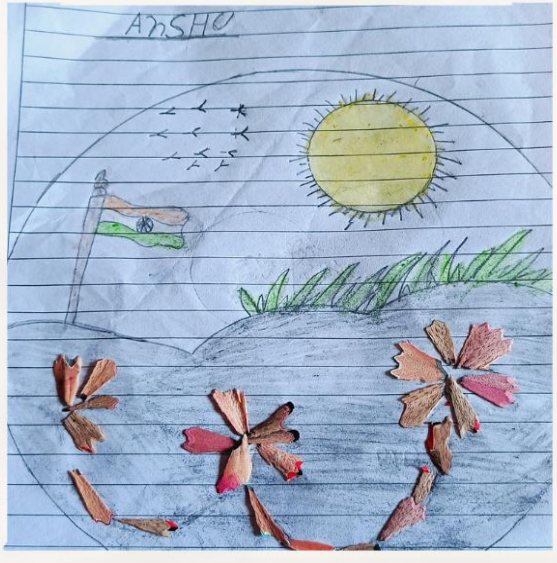

अंशु कुमारी
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा, भभुआ

UMS दुघरा,भभुआ

ToB बालमन कलाकार भाग 5

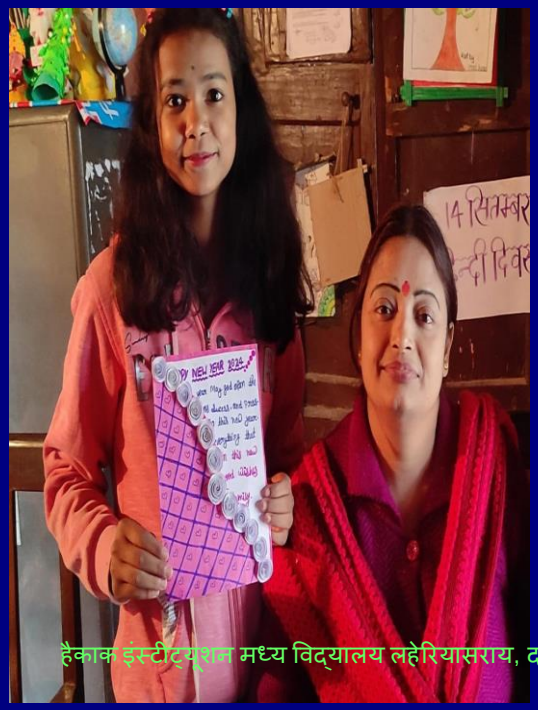

हैकाक इंस्टीट्यूशन मध्य विद्यालय लहेरियासराय, दरभंगा

प्राथमिक विद्यालय मोहम्मदपुर, मोहनियां

प्राथमिक विद्यालय कवई , भभुआ

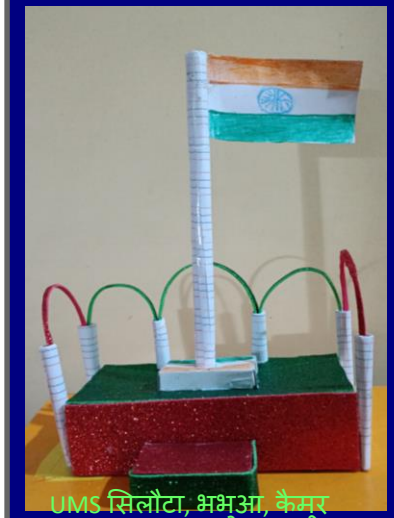

UMS सिलौटा, भभुआ, कैमूर

प्राथमिक विद्यालय मोहम्मदपुर, मोहनियां

जयंती विशेष 12 जनवरी

राकेश कुमार

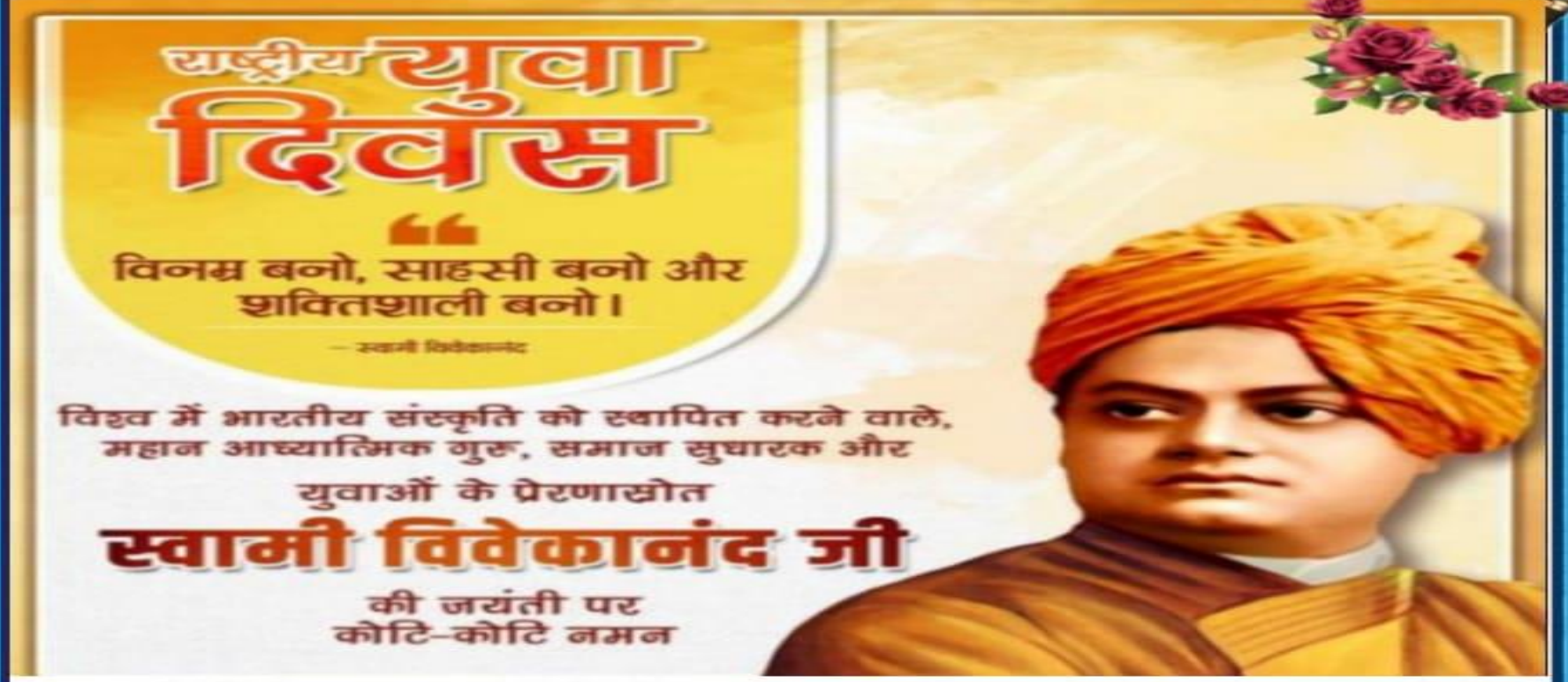

स्वामी विवेकानन्द *Swami Vivekananda*, जन्म: 12 जनवरी, 1863, कलकत्ता; मृत्यु: 4 जुलाई, 1902 बेलूर) एक युवा संन्यासी के रूप में भारतीय संस्कृति की सुगन्ध विदेशों में बिखेरने वाले साहित्य, दर्शन और इतिहास के प्रकाण्ड विद्वान् थे। विवेकानन्द जी का मूल नाम 'नरेंद्रनाथ दत्त' था, जो कि आगे चलकर स्वामी विवेकानन्द के नाम से विख्यात हुए।

ToB बालमन

जनवरी 2024

दर्शनीय स्थल

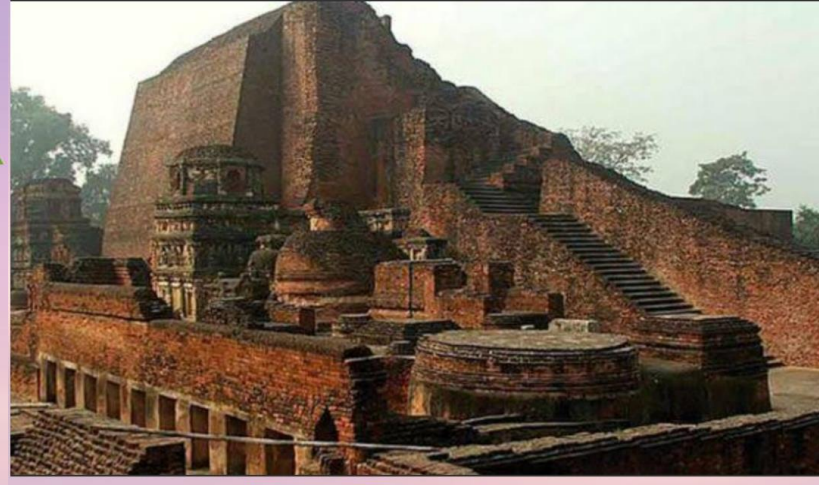

बिहार पर्यटन: नालन्दा विश्वविद्यालय

नालंदा विश्वविद्यालय प्राचीन भारत में उच्च शिक्षा का सर्वाधिक महत्वपूर्ण और विख्यात केंद्र था।

नालंदा विश्वविद्यालय दुनिया की सबसे पुरानी विश्वविद्यालयों में से एक थी इसकी स्थापना 450 ईस्वी में हुई थी।नालंदा विश्वविद्यालय 800 साल तक अस्तित्व में रहा।नालंदा विश्वविद्यालय भारत के बिहार राज्य के नालंदा जिले में है।नालंदा विश्वविद्यालय में भारत समेत जावा चीन तिब्बत श्रीलंका कोरिया ईरान ग्रीस मंगोलिया आदि देशो के छात्र पढ़ते थे।नालंदा विश्वविद्यालय में 10000 छात्र पढ़ते थे और 2700 अध्यापक थे।गौतम बुद्ध ने कई बार यहां की यात्रा किए थे। नालंदा विश्वविद्यालय में पाली भाषा में शिक्षण कार्य होता था। विश्वविद्यालय के निर्माण में गुप्त वंश के शासक कुमारगुप्त को श्रेय दिया जाता है।सम्राट नरसिंह गुप्त बालादित्य ने इसमें एक सुंदर बौद्ध मंदिर बनवाया था। शीलभद्र धर्मपाल चंद्रपाल गुणमती स्थिरमति प्रभामित्र जिनमित्र ज्ञानचंद्र नागार्जुन वसुबंधु आदि प्रख्यात अध्यापक थे।इस विश्वविद्यालय में केवल उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र ही प्रवेश पा सकते थे।विश्वविद्यालय में 6 द्वार थे और प्रत्येक द्वार पर एक पंडित होता था जो छात्रों के प्रवेश के समय ही परीक्षा लेता था इस परीक्षा में सिर्फ 20 से 30% छात्र ही पास होते थे।विश्वविद्यालय में 8 शालाएं आएं और 300 कमरे थे।विश्वविद्यालय में कई खंडों में छात्रावास था और प्रत्येक खंड में छात्रों के स्नान के लिए तरणताल था।नालंदा 7 वीं सदी में तथा उसके पश्चात कई सौ वर्षों तक एशिया का सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालय था। विश्वविद्यालय में छात्रों से शिक्षा आवास भोजन आदि का कोई भी शुल्क नहीं लिया जाता था। यहां सभी सुविधाएं निशुल्क थी।राजाओं और धनी सेठों द्वारा दिए गए दान से विश्वविद्यालय का व्यय चलता था।विश्वविद्यालय को 200 ग्रामों की आय प्राप्त होती थी।विश्वविद्यालय द्वारा ही एशिया में भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति का प्रचार व प्रसार हुआ। विश्वविद्यालय में तीन महान पुस्तकालय थे रत्नादधि, रत्नसागर, रत्नरंजक।12 वीं सदी में मुस्लिम शासक बख्तियार खिजली ने इस विश्वविद्यालय पर आक्रमण कर इसे नष्ट कर दिया था।खिजली ने इस विश्वविद्यालय के पुस्तकालय को जला दिया यह पुस्तकालय 6 महीने तक जलता ही रहा,ऐसा सुनने में आता है।1.5 लाख वर्ग फीट में नालंदा विश्वविद्यालय के अवशेष मिलते हैं माना जाता है कि यह सिर्फ यूनिवर्सिटी का 10% हिस्सा ही है

।25 नवंबर 2010 को नालंदा विश्वविद्यालय के तर्ज पर नई नालंदा यूनिवर्सिटी का स्थापना बिहार के राजगीर में किया गया है।

कुमार राकेश मणि
(प्रधानाध्यपक)
UHS कोटा, नुआंव
(कैमूर) बिहार

दशरथ माँझी

जन्म-14 जनवरी 1929
मृत्यु- 17 अगस्त 2007

Madhu priya

/teachersofbihar

एक नज़र इधर भी...

प्राथमिक विद्यालय फुलवारी शरीफ, पटना

प्राथमिक विद्यालय तरहनी, कुदरा, कैमूर

स्वास्थ्य सुझाव

अमरेंद्र कुमार

दिनभर की भागदौड़ के लिए बाडी के सभी अंगों का सक्रिय होना जरूरी है, इसलिए आप सुबह जल्दी उठकर कसरत करने की आदत डालें। कसरत वजन कम करने के साथ ही शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को भी दुरूस्त रखता है।

ToB बालमन

अज़ब-गज़ब

जनवरी 2024

1. इंसानों के अलावा कुछ जानवर भी लैफ्ट हैंडी हो सकते हैं।

2. दुनिया के सबसे बड़े पक्षी शुतुरमुर्ग की आंख उसके दिमाग से भी बड़ी होती है।

3. तितली स्वाद का मजा जीभ की बजाय अपने पैरों से ले पाती है ।

4. डॉल्फिन की सबसे बड़ी खासियत ये है कि यह सोते हुए तैर भी सकती है

5. दुनिया के सबसे पहले कैमरे की अनोखी बात ये थी कि यह बहुत स्लो फोटो खींचता था। यह इतना स्लो फोटो खींचता था कि लोगों फोटो के लिए 8 घंटे तक बैठना पड़ता था।

स्रोत: सोशल मीडिया

ToB बालमन

जनवरी 2024

थोड़ा मुस्कुरा भी दो ....

मेहमान- और बताओ बेटा आगे का क्या प्लान है ?

बच्चा- बस आपके जाते ही बिस्कुट खाउंगा !

वैसे भी नमकीन और मेवा तो आपने छोड़ी नहीं है....

.....

परीक्षा शुरू होने से पहले चिंटू अपने दोस्त बंटी को ज्ञान दे रहा था...

अगर परीक्षा में सवाल बहुत कठिन हो तो आंखें बंद करना,

गहरी सांस लेना और जोर से बोलना की ये सब्जेक्ट बहुत मजेदार है...इस बार नही तो अगली बार ही सही।

शीतलहर से बचाव

बिहार सरकार

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम

• सुरक्षित शनिवार •

•अनावश्यक घर से बाहर न जाएं और यथासंभव घर के अंदर सुरक्षित रहें। (विशेषकर वृद्ध व बच्चे)।

• यदि घर से बाहर निकलना आवश्यक हो तो समुचित गर्न ऊनी व गर्म कपडे पहनकर ही निकलें। बाहर निकलते समय अपने सिर चेहरे हाथ व पैर की मी उपयुक्त गर्म कपड़े से ढक लें।

• समाचार पत्र/रेडियो/टेलीविजन के माध्यम से मौसम की जानकारी लेते रहें।

• शरीर में उष्मा के प्रवाह को बनाए रखने के लिए पौष्टिक आहार एवं गर्म पेय पदार्थों का सेवन करें।

• बंद कमरों में जलती हुई लालटेन, दीया व कोयले की अंगीठी का प्रयोग करते समय धुंए के निकास का उचित प्रबंध करें। प्रयोग के बाद इसे अच्छी तरह से बुझा दे।

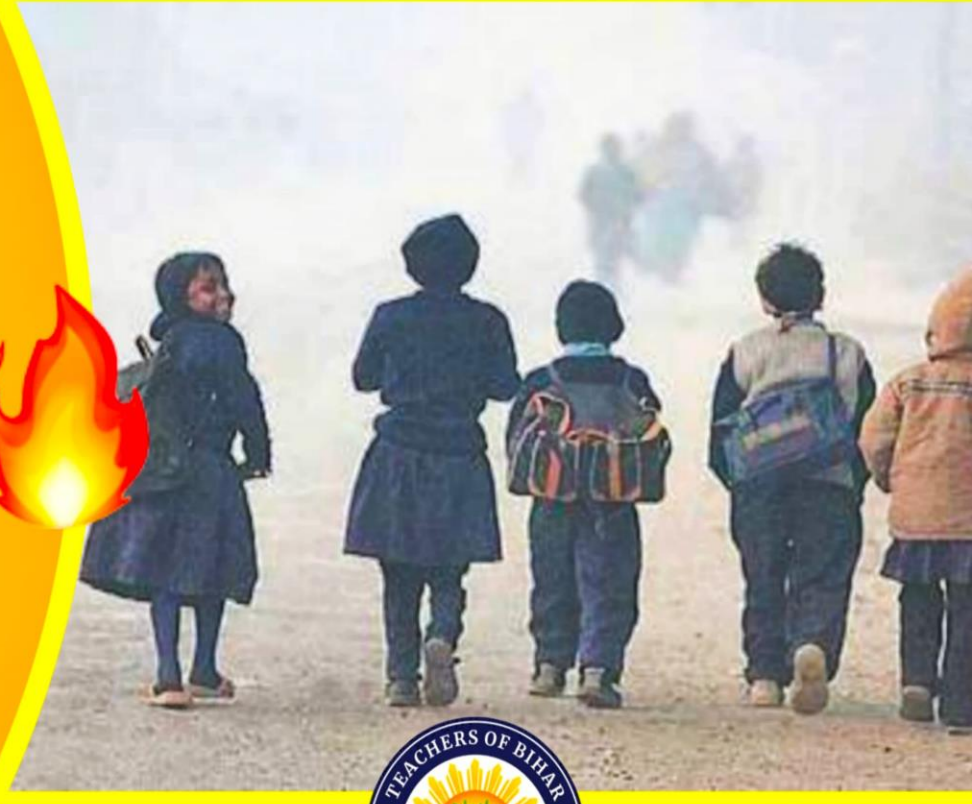

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

www.teachersofbihar.com

1 जनवरी

प्रसिद्ध भारतीय वैज्ञानिक, प्रोफेसर

सत्येंद्रनाथ बोस

की जयंती पर कोटि-कोटि नमन।

1 जनवरी, 1894–4 फरवरी, 1974

www.teachersofbihar.org

Madhu priya

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष 2 जनवरी

मधु प्रिया

भारत रत्न पुरस्कार स्थापना 2 जनवरी

भारत रत्न भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान है। यह सम्मान राष्ट्रीय सेवा के लिए दिया जाता है। इन सेवाओं में कला, साहित्य, विज्ञान, सार्वजनिक सेवा और खेल शामिल है। इस सम्मान की स्थापना 2 जनवरी 1954 में भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति श्री राजेंद्र प्रसाद द्वारा की गई थी। अन्य अलंकरणों के समान इस सम्मान को भी नाम के साथ पदवी के रूप में प्रयुक्त नहीं किया जा सकता। प्रारम्भ में इस सम्मान को मरणोपरांत देने का प्रावधान नहीं था, यह प्रावधान 1955 में बाद में जोड़ा गया। तत्पश्चात् 15 व्यक्तियों को यह सम्मान मरणोपरांत प्रदान किया गया। एक वर्ष में अधिकतम तीन व्यक्तियों को ही भारत रत्न दिया जा सकता है। उल्लेखनीय योगदान के लिए भारत सरकार द्वारा दिए जाने वाले सम्मानों में भारत रत्न के पश्चात् क्रमशः पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री हैं। श्री सचिन तेंदुलकर जी एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जिन को भारत रत्न प्राप्त हुआ है और वह भारत रत्न प्राप्त करने वाले सबसे कम उम्र के व्यक्ति भी हैं इसके पश्चात भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेई जी को भी प्राप्त हुआ है। यह उनको भारत को समर्पित अत्यंत प्रभावशाली राजनीतिक जीवन के लिए दिया गया है।

/teachersofbihar

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष 3 जनवरी

मधु प्रिया

सावित्रीबाई फुले का जन्म 3 जनवरी

सावित्रीबाई का जन्म 3 जनवरी, 1831 को नायगांव (वर्तमान में सातारा जिले में) में कृषि परिवार में हुआ था। इनके पिता का नाम खंडोजी नेवसे पाटील और माता का नाम लक्ष्मी था। वे परिवार की सबसे बड़ी बेटी थी। उन दिनों की लड़कियों का जल्दी ही विवाह कर दिया जाता था, इसलिए प्रचलित रीति-रिवाजों के बाद नौ वर्षीय सावित्रीबाई की शादी 1840 में 12 वर्षीय ज्योतिराव फुले से साथ हुई। ज्योतिराव एक विचारक, लेखक, सामाजिक कार्यकर्ता और जाति-विरोधी सामाजिक सुधारक थे। उन्हें महाराष्ट्र के सामाजिक सुधार आंदोलन के प्रमुख आंदोलनकारियों में गिना जाता है। सावित्रीबाई की शिक्षा उनकी शादी के बाद शुरू हुई। यह उनके पति ही थे जिसने सावित्रीबाई को सीखने और लिखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने एक सामान्य स्कूल से तीसरी और चौथी की परीक्षा पास की। जिसके बाद उन्होंने अहमदनगर में मिस फरार इंस्टीट्यूशन में प्रशिक्षण लिया। ज्योतिराव अपने सभी सामाजिक प्रयासों में सावित्रीबाई के पक्ष में दृढ़ता से खड़े रहते थे।सावित्रीबाई के दत्तक पुत्र यशवंतराव ने एक डॉक्टर के रूप में लोगों की सेवा करना शुरू किया। जब 1897 में बुलेसोनिक प्लेग महामारी ने नालसपोरा और महाराष्ट्र के आसपास के इलाके को बुरी तरह प्रभावित किया, तो साहसी सावित्रीबाई और यशवंतराव ने बीमारी से संक्रमित रोगियों का इलाज करने के लिए पुणे के बाहरी इलाके में एक क्लिनिक खोला। वह इस महामारी से पीड़ितो को क्लीनिक में ले आती जहाँ उनका बेटा उन रोगियों का इलाज करता था। रोगियों की सेवा करते हुए वह खुद भी इस बीमारी की चपेट में आ गयी। 10 मार्च 1897 को सावित्रीबाई का निधन हो गया। text

ToB बालमन आपके पेंटिंग भाग 1

बालमन

आपके पेंटिंग

ToB बालमन आपके पेंटिंग भाग 2

UHS हरदासपुर, कुदरा

दिव्या कुमारी
वर्ग 6
UHS सलथुआ, कुदरा (कैमूर)

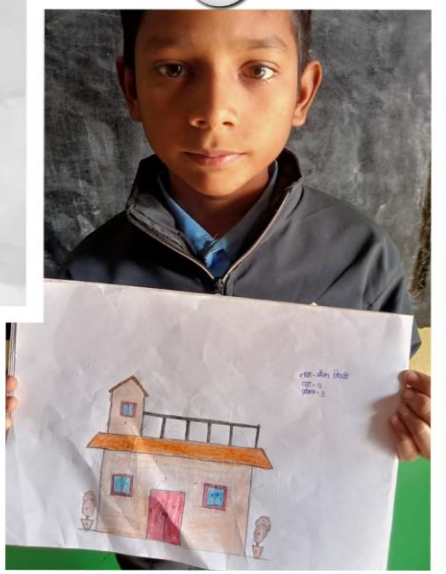

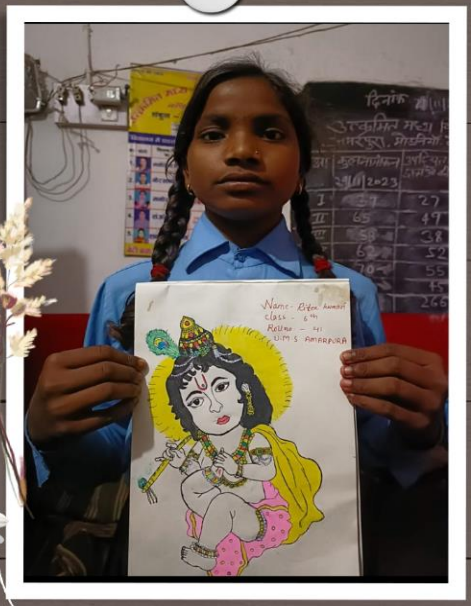

उत्क्रमित मध्य विद्यालय अमरपुरा, मोहनिया (कैमूर)

हैकाक इंस्टीट्यूशन मध्य विद्यालय
लहेरियासराय(दरभंगा)

प्राथमिक विद्यालय मोहम्मदपुर, मोहनियां

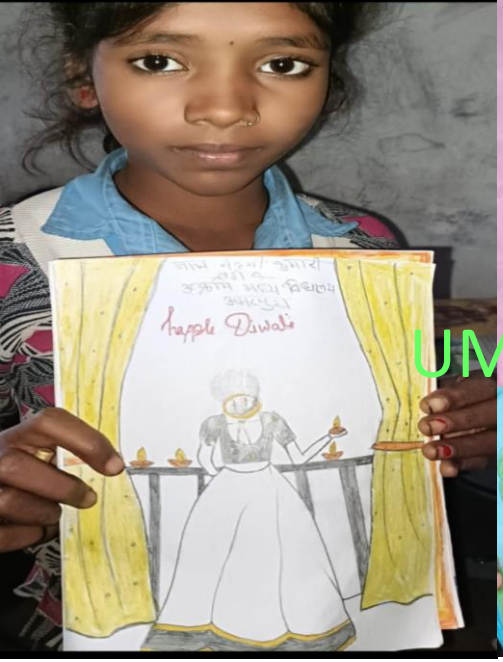

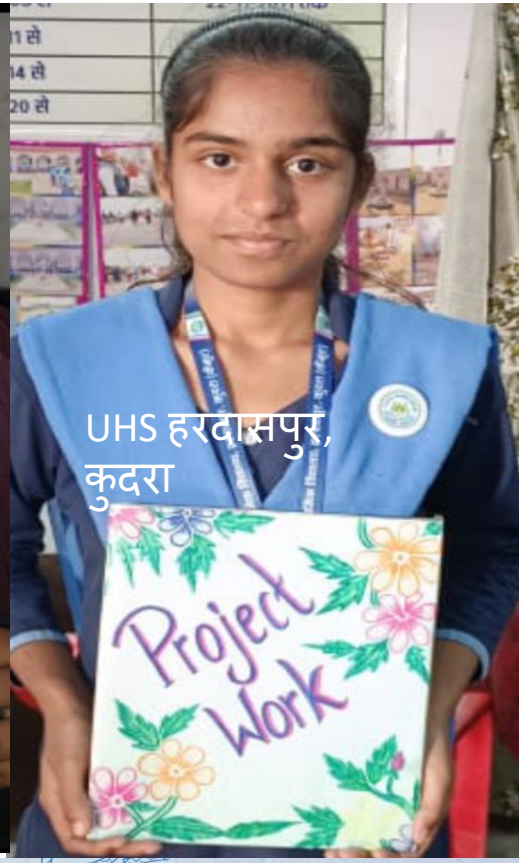

UMS अमरपुरा, मोहनियां
UHS हरदासपुर, कुदरा
ToB बालमन
आपके पेटिंग भाग 3
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
Project Work
गर्ल्स हाई स्कूल भभुआ, कैमूर
TEACHERS OF BIHAR
HAPPY BIRTH DAY TEACHERS OF BIHAR
SONU KUMAR
Name Sonu Kumar
प्राथमिक विद्यालय मोहम्मदपुर, मोहनियां

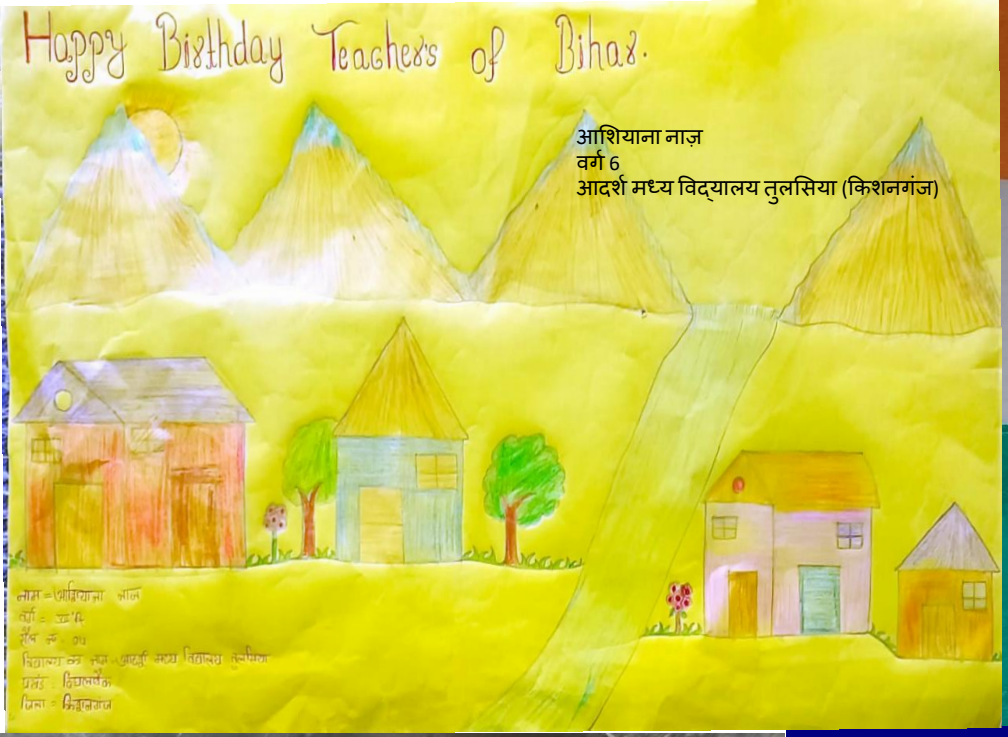

आशियाना नाज़
वर्ग 6
आदर्श मध्य विद्यालय तुलसिया (किशनगंज)

नाम- अक्स नाज
कक्षा- 10
ठाकुरगंज

ToB बालमन आपके पेंटिं
भाग 4

निक्की कुमारी, वर्ग 5, बालिका मध्य विद्यालय
रोसड़ा समस्तीपुर

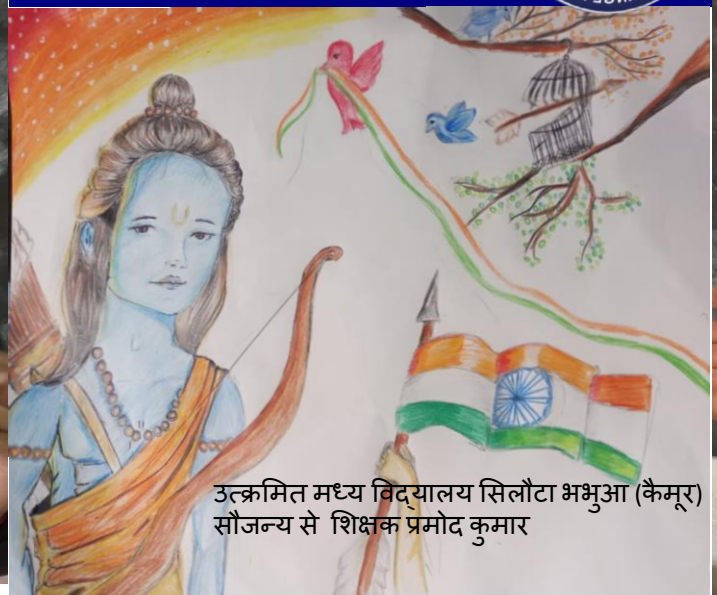

उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा भभुआ (कैमूर)
सौजन्य से शिक्षक प्रमोद कुमार

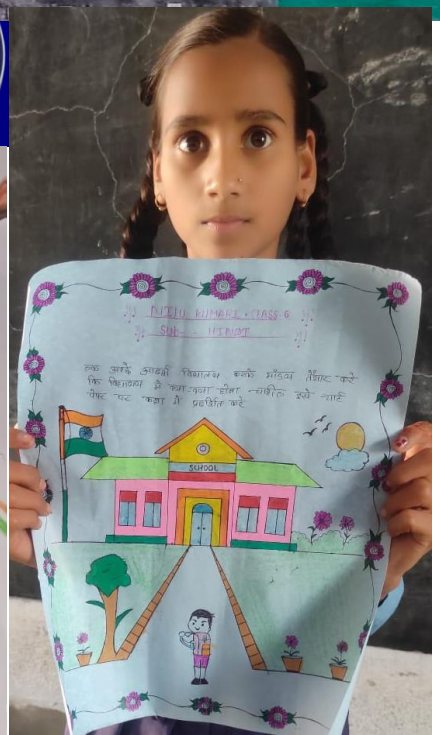

पेन और पेंसिल आर्ट भाग 1

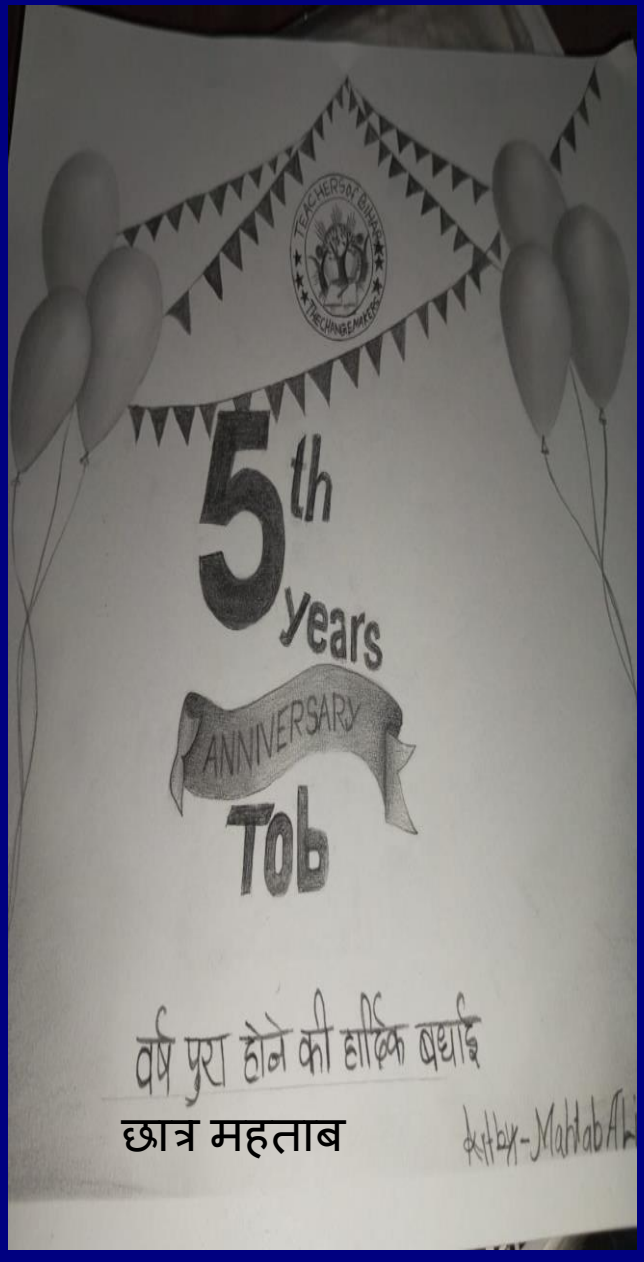

छात्र महताब

आशीष सर द्वारा
बालमंच

UMS सिलौटा, भभुआ

पेन और पेंसिल आर्ट भाग 2

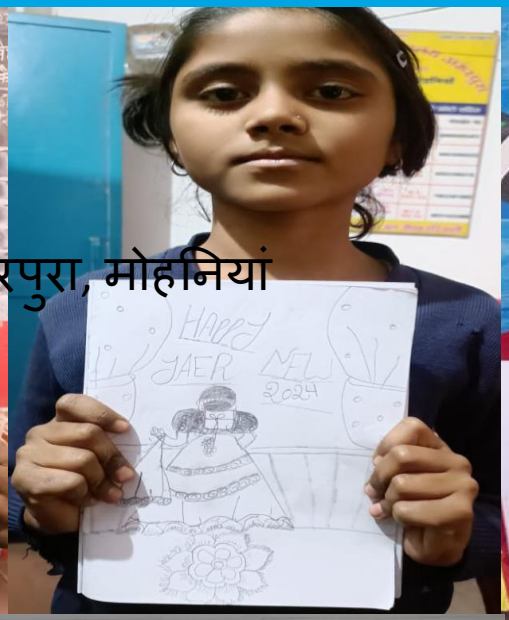

UMS अमरपुरा, मोहनियां

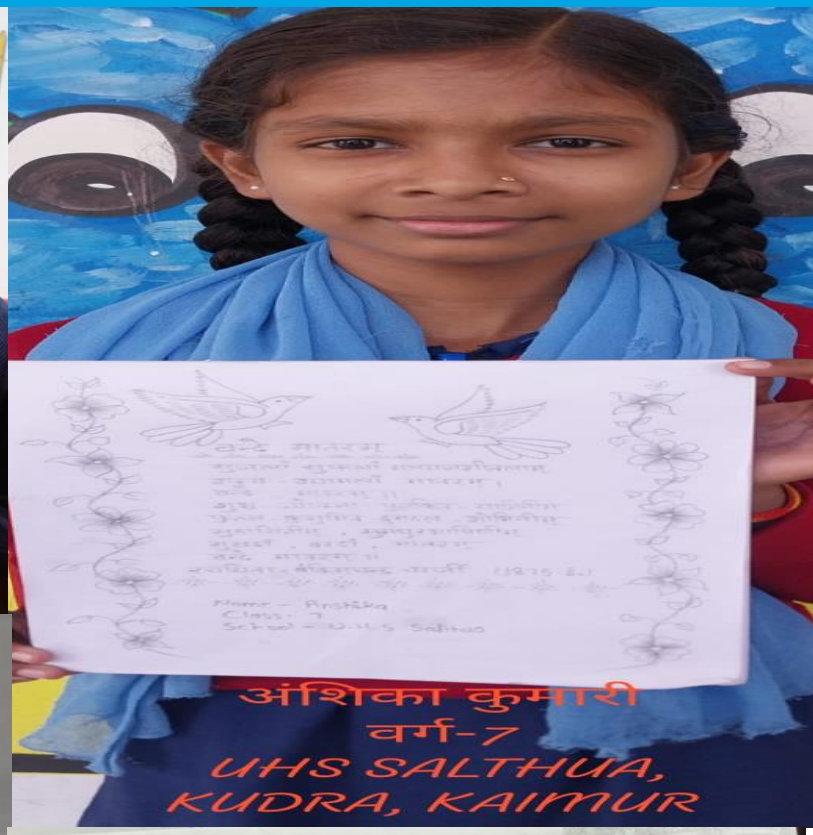

हेकाक इंस्टीट्यूशन मध्य विद्यालय लहेरियासराय दरभंगा

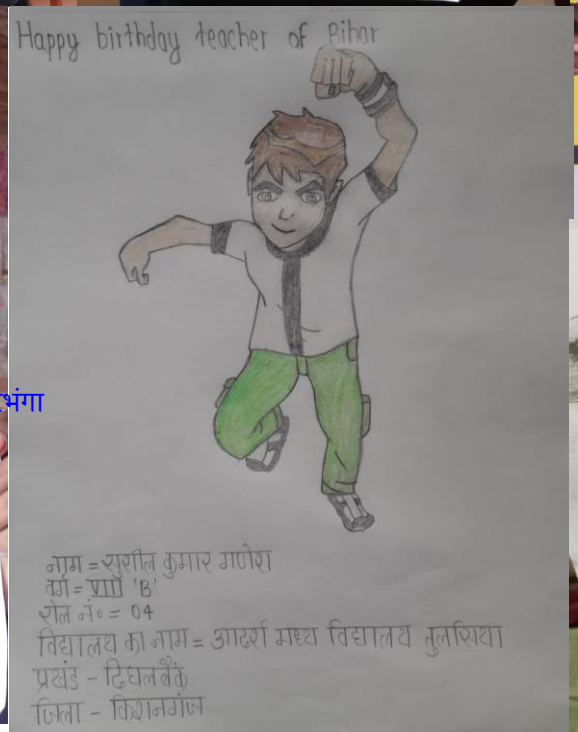

अमृत राज
Ums सिलौटा, भभुआ

Teachers of Bihar

बालमन

मन की बात

मैं ज्योती कुमारी बालमन की फैन हूँ
हर महीने बालमन का इंतजार करती हूँ क्योंकि
मुझे इसके अलावा और कोई पत्रिका
इतनी आसानी से पढ़ने नहीं मिलती है।
धन्यवाद ToB बालमन को।

सौजन्य से ToB बालमंच से....

बालमन
TOB बूझो तो जानें..

Happy birthday teachers of Bihar

जनवरी 2024

Happy New Year 2024

1

वह कौन है जो अंडा भी दे
और दूध भी दे।
पहचानो वो कौन है ?

2

साल की शुरुआत है...
ठंडी और ठंड का प्रहार है।
सूर्य का मकर से उत्तर की ओर आगमन
बताओ महीना कौन सा है ?

3

देश की शान है।
अपनी ये पहचान है।।
तीन रंगों से मिलकर बना।
अशोक चक्र बीच में विराजमान हैं।

4

ठंडी से बचाता हूं,
शरीर में गर्मी लाता हूं।
ऊन से बना हुआ
एक वस्त्र में कहलाता हूं।

धीरज कुमार
(शिक्षक)
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा
भभुआ, कैमूर

उत्तर 1-[illegible], 2-जनवरी, 3-तिरंगा 4- स्वेटर

ToB बालमन क्विज

जनवरी 2024

1

शहीद दिवस कब मनाया जाता है?

A. 24 जनवरी B. 14 अक्टूबर

C. 14 नवंबर D. 30 जनवरी

5 साल बेमिसाल

2

निम्न में किसे नेताजी भी कहते है ?

A.सुभाषचंद्र बोस B. महात्मा गांधी

C. सरदार पटेल D. भगत सिंह

3

बिहार के प्रथम मुख्यमंत्री का क्या नाम हैं?

A.श्री कृष्ण सिंह B. कर्पूरी ठाकुर

C. भोला पासवान D. नीतीश कुमार

4

कथकली किस राज्य का एक नृत्य है

A.बिहार B. तमिलनाड

C.गुजरात D. केरल

5 साल बेमिसाल

5

गंगा नदी को बांग्लादेश में किस नाम से जानते हैं?

A.यमुना B. पदमा

C. सांगपो D. सरस्वती

सही उत्तर: 1.D ,2.A ,3.A,4.D,5.B

धीरज कुमार
उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा भभुआ कैमूर

बिहार सरकार

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम

बिहार सरकार

निर्देश

1. सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम का उद्देश्य है कि विद्यालय के बच्चों में जोखिमों की पहचान एवं उससे बचाव करने की क्षमता, ज्ञान तथा आत्मविश्वास विकसित किया जाए ताकि वे किसी प्रकार के आपदा प्रत्युत्तर के लिए तैयार हो सकें।
2. बाल प्रेरकों द्वारा अन्य सभी बच्चों को एक साथ ज्ञान एवं कौशल स्थानांतरित करने का तरीका अन्य शिक्षण पद्धति से ज्यादा उपयुक्त होता है। अतः बाल प्रेरकों को प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है।
3. प्रत्येक विद्यालय के फोकल शिक्षक सभी बाल प्रेरकों के साथ शनिवार के एक दिन पूर्व वार्षिक–सारणी में निर्धारित गतिविधियों के अनुरूप योजना तैयार करेंगे।
4. सुरक्षित शनिवार की गतिविधियाँ प्रत्येक शनिवार के चेतना सत्र तथा अंतिम सत्र में अनिवार्य रूप से आयोजित करेंगे।
5. जिस माह पाँचवा शनिवार पड़े, उस स्थिति में बच्चों को स्वच्छता संबंधी विषयों के बारे में जानकारी दिया जाए एवं अभ्यास कराये।
6. जुलाई के प्रथम पखवारे (1–15 जुलाई) में विद्यालय सुरक्षा पखवारा तथा 4 जुलाई को विद्यालय सुरक्षा दिवस प्रत्येक विद्यालय में आयोजित होगा। विद्यालय सुरक्षा पखवारे में क्षेत्र विशेष को प्रभावित करने वाली सभी आपदाओं (सुखाड़ सहित) पर आधारित कार्यक्रम किये जायेंगे।
7. स्थानीय विशेष कारणों से सप्ताह में वर्णित गतिविधियों को आगे–पीछे किया जा सकता है।
8. विद्यालय में लंबी छुट्टी होने की स्थिति में बच्चों को गृहकार्य के रूप में विद्यालय सुरक्षा से संबंधित विषयों का अभ्यास एवं उसपर चर्चा करने संबंधी कार्य दिये जाएं ।

unicef | for every child

unicef

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम

(सुरक्षित शनिवार)

RAKESH KUMAR
MIDDLE SCHOOL BALUA MANER (PATNA)

माह: जनवरी

प्रथम शनिवार

दिनांक **06.01.2024**

शीतलहर तूफान से खतरे एवं इसके उपाय के बारे में जानकारी

द्वितीय शनिवार

दिनांक **13.01.2024**

रेल / सड़क दुर्घटना से खतरे एवं बचाव के सन्दर्भ में जानकारी

तृतीय शनिवार

दिनांक **20.01.2024**

भूकंप के संदर्भ में कौशल विकास एवं प्रशिक्षण तथा अभ्यास (मॉकड्रिल)

चतुर्थ शनिवार

दिनांक **27.01.2024**

बाल अधिकार, बाल विवाह, बाल शोषण तथा बच्चों से छेड़छाड़ के सन्दर्भ में जानकारी

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

www.teachersofbihar.org

प्राथमिक विद्यालयसीतमपुरा, भभुआ

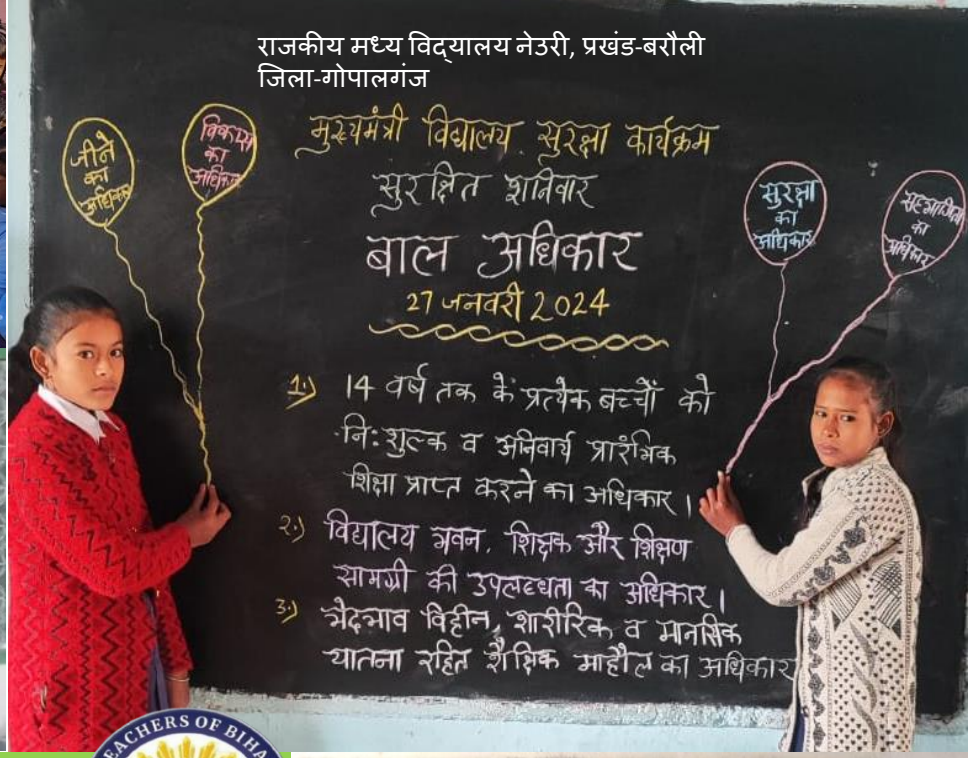

राजकीय मध्य विद्यालय नेउरी, प्रखंड-बरौली
जिला-गोपालगंज

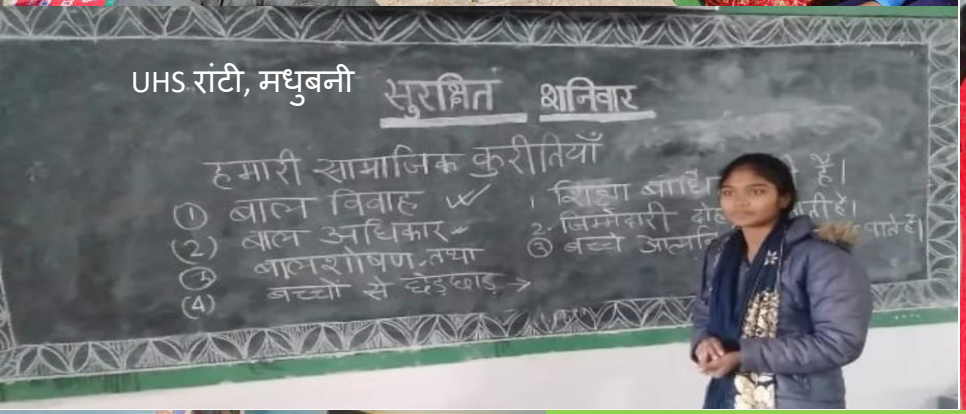

UHS रांटी, मधुबनी

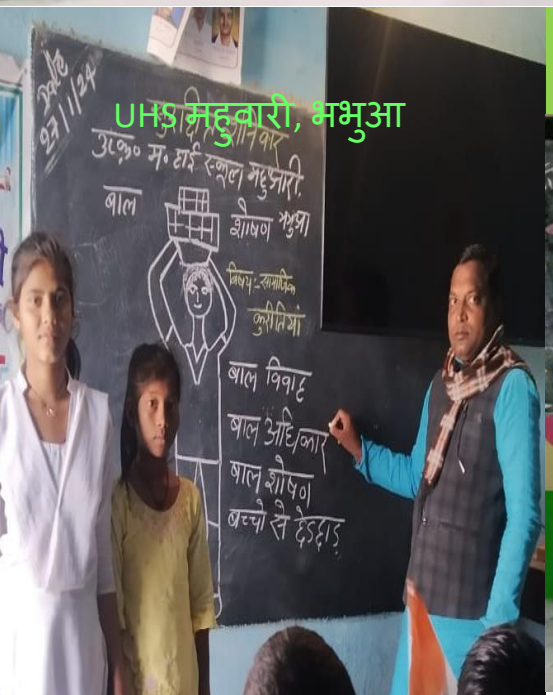

UHS महुवारी, भभुआ

सुरक्षित शनिवार

प्राथमिक विद्यालय मोहम्मदपुर, मोहनियां

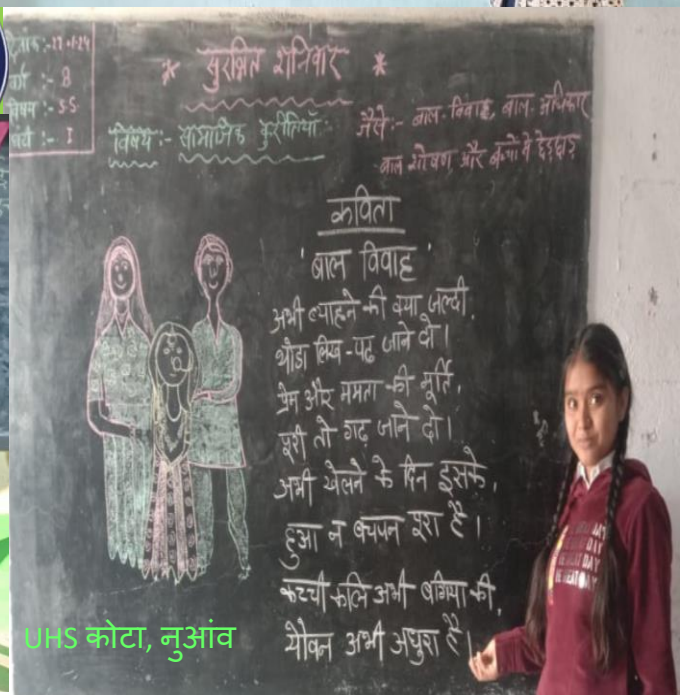

UHS कोटा, नुआंव

" नूतन वर्ष "

नूतन वर्ष की पावन बेला,
खुशियों का अलबेला,
सारे शिकवे भूले,
आओ हम सब गले मिलें||
अग्रिम पथ पर बढ़ चलें,
राह मुश्किल बहुत है,
संभल संभल कर चलें,
कभी खुशी तो कभी गम मिले||

कहीं पर्वत तो कहीं खाई मिले,
कभी संगत तो कभी जुदाई मिले
पग पग बढ़ते कदम चले,
जीवन निर्मल स्वच्छ बनें||

अशोक कुमार
न्यू प्राथमिक विद्यालय
भटवलिया

ToB बालमन कहानी

तोल मोल के बोल

एक किसान ने अपने पड़ोसी की खूब निंदा की पड़ोसी के चरित्र पर बहुत से आलक्षन लगाये। इसी दौरान उस किसान के गांव में एक धर्मात्मा आए। किसी तरह उस किसान की बात धर्मात्मा को प्राप्त हुई। तब धर्मात्मा ने किसान को पंखों से भरा एक थैला शहर के बीचो-बीच बिखरने को कहा। किसान पंखों से भरा थैले को लेकर शहर के बीचो-बीच गया और पंखों को बिखेर कर वापस धर्मात्मा के पास आ गया। पुनःधर्मात्मा ने थैली को देकर पंखों को लाने को कहा। अब किसान थैली को लेकर जब शहर के बीचो-बीच पहुंचा तो देखा एक भी पंख अपनी जगह पर नहीं है वापस धर्मात्मा के पास आकर सब कहानी बताई। तब धर्मात्मा ने कहा जिस प्रकार पंख की थैली शहर के बीचों बीच छोड़ने पर एक भी पंख तुम वापस नहीं ला पाए। उसी प्रकार हमारे जीवन पर भी लागू होती है। तुमने बात तो आसानी से अपने पड़ोसी से कह दी परंतु किसी भी शब्द को बोलने से पहले सोच समझ कर बोलना चाहिए। अब किसान को गलती का एहसास हुआ और पड़ोसी से जाकर क्षमा मांगी। और दोनों खुशी-खुशी जीवन यापन करने लगे।

प्रमोद कुमार निराला
क.म.वि.चांद, कैमूर

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
26
JANUARY
Republic Day
गणतंत्र दिवस
की आप सभी को
हार्दिक शुभकामनाएं..

UMS दुलहरा, चैनपुर

उर्दू प्राथमिक विद्यालय अखलासपुर, भभुआ

चेतना सत्र

UMS अर्रा, मोहनियां

प्राथमिक विद्यालय खनेठी, रामगढ़

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar

The change makers

गुणकारी सब्जियां

मेथी पत्ता

मुझमें आयरन, कैल्शियम, मैग्नीशियम, पोटेशियम, फाइबर विटामिन B-6 ,A, C आदि पाया जाता है।

बथुआ

मुझमें vit.A सबसे ज्यादा पाया जाता है। मैं vit.B-2,B-3,B-5,C, कैल्शियम ,मैग्नीशियम, मैंगनीज, फास्फोरस, लोहा, पोटैशियम, सोडियम आदि से भी भरपूर हूं।

Anu priya

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस विशेष

30 जनवरी

मधु प्रिया

शहीद दिवस 30 जनवरी

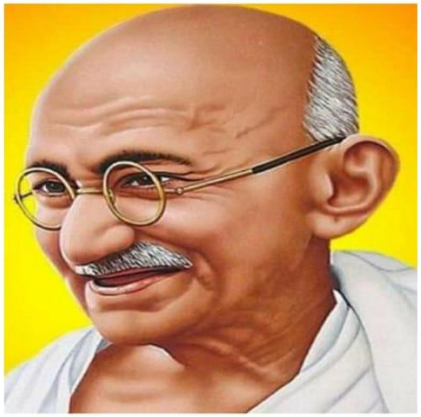

भारत देश हमेशा से ही वीरों की भूमि रहा है। इस देश में कई वीर सपूतों ने जन्म लिया है, और अपनी शहादत से इस देश की मिट्टी को पवित्र किया है। भारत में हर साल उन वीर शहीदों की याद में शहीद दिवस मनाया जाता है। भारत में विभिन्न तारिखों पर शहीद दिवस मनाने की परंपरा रही है। इनमें से प्रमुख तिथियां हैं, 23 मार्च जो कि भगत सिंह, राजगुरू, और सुखदेव से जुड़ी हुई हैं और दूसरी है 30 जनवरी। यह तिथि महात्मा गांधी जी से संबंधित है। 24 नवंबर को भी शहीद दिवस मनाया जाता है, जो कि गुरू तेग बहादुर जी से संबंधित है। शहीद दिवस की तारीख अलग-अलग हो सकती हैं, लेकिन शहीद दिवस की भावना एक ही रहती है। हम भारतवासी अपने उन जाबांज क्रांतिकारियों को याद कर उनके लिए श्रध्दा सुमन अर्पित करने के लिए ही यह दिवस मनाते हैं। शहीद दिवस वाले दिन जगह-जगह पर देशभक्ति कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस दिन शहीदों से जुड़ी प्रस्तुतियां और भाषण दिए जाते हैं। इस दिन कई तरह की प्रतियोगिताएं जैसे कि कविता वाचन,निबंध लेखन, चित्रकला प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया जाता है।

भारत में 30 जनवरी को महात्मा गांधी की याद में शहीद दिवस मनाया जाता है।

30 जनवरी 1948 को एक ऐसा वाक्या हुआ, जिसने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया था। यह घटना थी राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की हत्या की, जिसने सभी को सुन्न कर दिया था। इस दिन नाथूराम गोडसे ने बिड़ला हाउस में गांधी जी के सीने में तीन गोलियां मारीं, जिससे गांधी जी की मौत हो गई थी। कुछ देर बाद नाथूराम गोड़से को गिरफ्तार कर लिया गया, तो सुनवाई के दौरान उसने गांधी जी पर दोष लगाया कि देश के विभाजन में उन्हीं का हाथ था। इसी की याद में 30 जनवरी को शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है और गांधी जी को श्रध्दांजलि दी जाती है। 30 जनवरी 1948 की शाम 4 बजे का वक्त था। उस दिन गांधीजी ने सरदार पटेल को बातचीत के लिए बुलाया था। पटेल अपनी बेटी मणिबेन के साथ तय वक्त पर गांधी जी से मिलने पहुंच गए थे। गांधी जी प्रार्थना सभा के बाद भी पटेल से वार्तालाप करना चाहते थे, इसलिए उन्हें वहीं रुकने के लिए कहा गया था। लेकिन प्रकृति को कुछ और ही मंजूर था। पटेल के साथ बैठक के बाद प्रार्थना के लिए जाते समय गोडसे ने गांधी जी पर एक के बाद एक गोलियां चला दीं। इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस ज्ञान

शशिधर उज्जवल

Tuesday

30 जनवरी

1. **शहीद दिवस–** 30 जनवरी, 1948 ई. शुक्रवार का दिन था। शाम पाँच बजे महात्मा गाँधी अपनी दो पोतियों कुमारी इंद्र बहन गांधी तथा आभा बहन गाँधी के साथ प्रार्थना सभा के लिए बिरला मंदिर जा रहे थे। उसी वक्त नाथुराम गोडसे ने महात्मा गांधी की हत्या कर दी। इस तिथि को शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है। बापू की स्मारक राजघाट, दिल्ली में इस अवसर पर विशेष श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किये जाते है।
   - **क्या करें?** आज आप भी विद्यालय में बापू की पुण्य तिथि पर मौन रखकर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर सकते है।
   - **बच्चों को क्या बतायें?** इस अवसर पर इतिहास के शिक्षक बच्चों को गांधी जी की प्रमुख सिद्धांतों, संदेशों और अंतिम दिनों की कहानियां सुनायें।
   - **बच्चों को क्या दिखायें?** संभव हो तो बेन किंग्स्ले की फिल्म 'गांधी' बच्चों को दिखलायें।
2. **जयशंकर प्रसाद का जन्म–** छायावादी युग के प्रमुख कवि जयशंकर प्रसाद का जन्म 30 जनवरी, 1889 ई. को वाराणसी में हुआ था। जयशंकर प्रसाद हिन्दी के प्रसिद्ध कवि, नाटककार, उपन्यासकार तथा निबन्धकार थे। उनकी प्रमुख रचनाओं कामायनी, ध्रुवस्वामिनी, कंकाल प्रमुख है।
   - **बच्चों को क्या बतायें?** हिन्दी के शिक्षक बच्चों को जयशंकर प्रसाद के बारे में बतायें। 'अरूण यह मधुमय देश हमारा', 'बीती विभावरी जाग री', 'भारत महिमा', अथवा 'हिमाद्री तुंग श्रृंग से', कविता का सस्वर वाचन कर सकते हैं।
3. **कुष्ठ निवारण दिवस–** राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत 30 जनवरी को कुष्ठ रोग निवारण दिवस मनाया जाता है। राष्ट्रपति महात्मा गांधी द्वारा कुष्ठ रोगियों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए किए गए प्रयासों की वजह से प्रति वर्ष 30 जनवरी को उनकी पुण्य तिथि पर कुष्ठ रोग निवारण दिवस मनाया जाता है। कुष्ठ रोग का पूर्णतः उपचार संभव संभव नहीं है। वहीं कुष्ठ रोग के इलाज में देरी से विकलांगता हो सकती है। कुष्ठ रोगियों के स्पर्श से कुष्ठ नहीं होता है।

"खुद वो बदलाव बनो जो दुनिया में देखना चाहते हो।"

– महात्मा गाँधी

बाल संसद/ मीना मंच/विद्यार्थी गतिविधि

UHS कोटा, नुआंव

बिहार सरकार

शिक्षा विभाग

मिशन दक्ष

पढ़ाई में कमजोर 25 लाख बच्चों को मिलेगा लाभ

- वर्ग **03 से 08** के ऐसे छात्र, जो **हिन्दी के वाक्य धारा** प्रवाह नहीं पढ़ सकते हैं।
- ऐसे छात्र-छात्रा जो **मौलिक गणित** में सक्षम न हों।
- **अँग्रेजी वर्णमाला** की जानकारी का अभाव हो।
- उनके विद्यालयों में **तीन बजे के बाद** विशेष कक्षाएं आयोजित होंगी।

@EducationDepartmentBihar | @BiharEducation | @bihar_education_dept | /iprdbihar | @iprd_bihar

मिशन दक्ष

बिहार सरकार

ध्येय	प्रारंभ	समाप्ति	कवरेज
दसवीं कक्षा तक Drop out rate को नगण्य करना।	01 दिसंबर 2023	जबतक मिशन का ध्येय प्राप्त न हो जाय।	कक्षा - 3 से कक्षा - 8 तक के विधार्थी।

मिशन के क्रियान्वयन के निम्नलिखित चरण होंगें :-

पहला चरण

सभी प्रारंभिक विद्यालयों में कक्षा - 3 से कक्षा - 8 तक के ऐसे सभी विद्यार्थियों को चिन्हित करना जो :-

1. हिंदी के कुछ वाक्य धारा प्रवाह नहीं पढ़ एवं लिख सकते हैं।
2. जो मौलिक गणित में समझ न हो।
3. अंग्रेजी वर्णमाला की जानकारी का अभाव।

द्वितीय चरण

सभी प्रारंभिक विद्यालयों में, विद्यालय गतिविधि समाप्त होने के पश्चात (अपराह्न 3 बजे के बाद) अथवा भोजनावकाश के बाद इन छात्रों की विशेष कक्षाएं होनी चाहिए।

तृतीय चरण

अकादमिक सत्र (2023 - 24) की वार्षिक परीक्षा के पश्चात अलग से एक परीक्षा अप्रैल 2024 अथवा ग्रीष्मावकाश के दौरान ली जाएगी।

पढ़ें बिहार, दक्ष बिहार

मिशन दक्ष

उत्क्रमित मध्य विद्यालय, अरो
अंचल-मोहनियाँ (कैमूर)
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
मिशन दक्ष (पढ़े बिहार, बढ़े बिहार)
चित्र पठन
SUNDAY
MONDAY
TUESDAY

क. म. वि.चांद कैमूर

क. म. वि.चांद कैमूर
अंकों का ज्ञान

उ.म.वि.चन्दा चांद कैमूर

उ.म.वि.धोबहां चांद कैमूर

ToB

राकेश कुमार

खेल कॉर्नर

1. भारत में शारीरिक शिक्षा को किसने शुरू किया था? – **एच. सी. बक**

2. अर्जुन अवार्ड किसको दिया जाता है? – **राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को**

3. भारत में महिला हॉकी क्लब की स्थापना कब हुई? – **1975**

4. ओलम्पिक ध्वज में गोलों की संख्या कितनी होती है? – **5**

5. 'द्रोणाचार्य अवार्ड' किसको दिया जाता है? – **सर्वश्रेष्ठ गुरु/शिक्षक** (खेल)

6. बास्केटबाल में मैच की शुरूआत कैसे होती है? – **थ्रो बाल**

7. बास्केटबाल के जन्मदाता कौन है? – **नॉर्थ स्मिथ**

8. बास्केटबाल कोर्ट की माप कितनी होती है? – **28x15 मीटर**

9. 'खो-खो' मैदान की माप क्या होती है? – **29x16 मीटर**

10. 'अभ्यास का नियम' को और किस नाम से जाना जाता है? – **उपयोग और अनुपयोग का नियम**

ToB बालमन

रोचक गणित

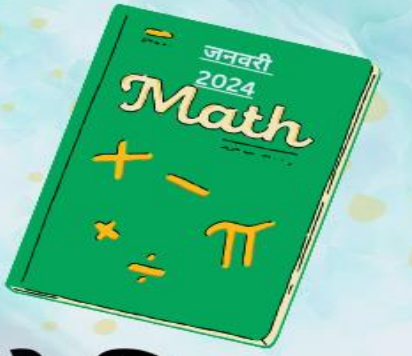

गणित के कुछ रोचक गुणक यह है कि यह आपके कार्य को बहुत ही अद्भभुत ढंग से करते हैं। उदाहरण के लिए यदि आप 11,11,11,111 को 11,11,11,111 से गुणा करते हैं, तो यह 12,34,56,78,98,76,54,321 के बराबर हो जाता है और इसी तरह संख्याएं आगे से आगे बढ़ती जाएगी।

कुमार राकेश मणि
उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय कोटा नुआंव कैमूर

विज्ञान कॉर्नर

TEACHERS OF BIHAR

ट्रांसफार्मर

ट्रांसफार्मर एक ऐसा यंत्र हैं जो करंट को बिना किसी भौतिक संपर्क के एक स्थान से दूसरे स्थान तक भेजने का कार्य करता है।

ट्रांसफार्मर करंट को कम या ज्यादा करने में अहम भूमिका निभाता है।

ट्रांसफार्मर में दो या दो से अधिक coil का इस्तेमाल होता है।

ट्रांसफॉर्मर म्यूचयल इंडक्शन के सिद्धांत पर कार्य करता है।

ट्रांसफार्मर में 4 तार होते हैं जिसमें दो एक तरफ और दो दूसरी तरफ होता है।

ट्रांसफार्मर में एक तरफ से 220AC वोल्ट देते हैं और दूसरी ओर 12AC वोल्ट मिलता है।

coil में जब AC करंट दी जाती है तो उसके चारों तरफ मैग्नेटिक फील्ड या चुंबकीय क्षेत्र उत्पन्न हो जाता है जिसे Electromotive force कहते हैं।

जब coil मैग्नेटिक फील्ड में आ जाता है तो उसके इलेक्ट्रॉन मूव करने लगते हैं जिसके वजह से coil के सिरों में AC करंट बहने लगता है।

ट्रांसफार्मर में कम से कम दो coil का इस्तेमाल किया जाता है जिसको वाइंडिंग कहते हैं।

ट्रांसफार्मर में जिस वाइंडिंग पर करंट देते हैं उसे प्राइमरी वाइंडिंग कहते हैं और जिससे करंट प्राप्त किया जाता है उसे सेकेंडरी वाइंडिंग कहते हैं।

स्टेप डाउन ट्रांसफार्मर का इस्तेमाल ज्यादा वोल्ट को कम करने के लिए किया जाता है

स्टेप अप ट्रांसफार्मर का इस्तेमाल कम वोल्ट को बढ़ाने के लिए कहता है।

ऑटो ट्रांसफार्मर का इस्तेमाल आवश्यकतानुसार अपने आप कम वोल्ट को ज्यादा और ज्यादा वोल्ट को कम करने के लिए किया जाता है।

ट्रांसफार्मर के कार्य सिद्धांत 1830 में माइकल फैराडे की खोज पर आधारित है।

एकता कुमारी दरभंगा

ToB बालमंच भाग 1

सौजन्य से आशीष सर अररिया

एकता कुमारी दरभंगा

Shraddha Jha Araria

ToB बालमंच भाग 2

रीति त्रिवेदी मुंबई
स्पेशल चाइल्ड है घर से ही पढ़ाई करती है

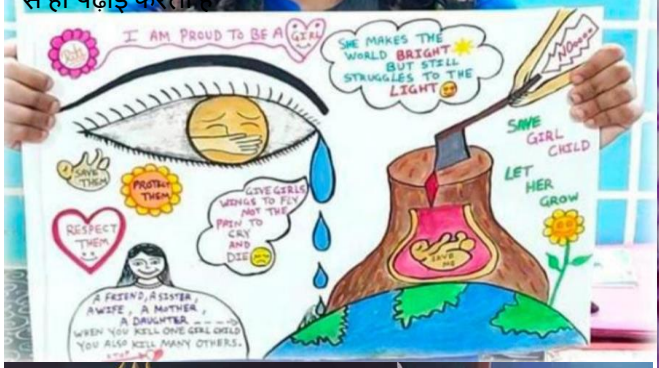

सौजन्य से आशीष सर अररिया

Firdaus Naj,Aurangabad

Suhani suman Samastipur

निहाल सिंह Clas 11 राँटी मधुबनी

ToB बालमंच भाग 3

संतोष कुमार
सरौनी कला (मधेपुरा)

पूर्णिया

ToB बालमन शिक्षण अधिगम सामग्री (जनवरी 2024)

*** TLM का नाम और विवरण:- कैलेण्डर कलश।**
इस TLM के सहारे हम बच्चों को दिन, दिनांक, महिने और वर्ष की जानकारी दे सकते हैं।इसे बनाने के लिए अपने सुविधानुसार त्रिज्या लेकर कुट पर एक वृत्त बनाते हैं। वृत्त से होते हुए कुट को कलश के आकार में काट लेते हैं। पुनः उस वृत्त को अलग अलग त्रिज्या लेकर चार वृत्ताकार भागों में विभाजित करते हैं। बड़े वाले भाग में गोलाई में वर्तमान से लेकर आने वाले कुछ वर्षों का नाम क्रमशः अंकित करते हैं। उसके बाद वाले भाग में क्रमशः दिनांक, महिना और दिन अंकित करते हैं। फिर चार अलग-अलग लम्बाई की सुइयां जो केन्द्र से वर्ष, दिनांक, महिना और दिन वाले भाग को संपर्क कर सके, उसपर क्रमशः YEAR, DATE, MONTH एवं DAY लिखकर वृत्त के केन्द्र से लगा देते हैं।

*** वर्ग कक्ष/वर्ग कक्षों का विवरण जिसके लिए TLM उपयुक्त है:-** कक्षा :-3, 4,5.

*** अधिगम प्रतिफल का विवरण जिससे TLM संबंधित है:-** इस TLM से प्राप्त होने वाले अधिगम प्रतिफल निम्नांकित हैं-

1. बच्चे कैलेण्डर के बारे में सामान्य जानकारी रखते हैं।
2. बच्चे एक वर्ष में आने वाले महीनों के नाम बताते हैं।
3. प्रत्येक महीने में आने वाले दिनों की संख्या बताते हैं।
4. सप्ताह के दिनों के नाम बताते हैं।

*** TLM को इस्तेमाल करने के तरीके:-** यह TLM दैनिक उपयोग वाला है।इसे कील के सहारे वर्ग कक्ष में टांग सकते हैं। इसमें लगे सुई को दिन, दिनांक, महिना और वर्ष के अनुसार बच्चों से सेट करवाया जाता है, जिससे बच्चों में उक्त तथ्यों की अवधारणा स्पष्ट हो जाती है।इसे बारी बारी से प्रत्येक बच्चों से करवाया जाना चाहिए।

*** TLM के लिए आवश्यक सामग्री:-** कुट,सुई के लिए प्लास्टिक का टुकड़ा आदि।

*** अन्य महत्वपूर्ण जानकारी जो आवश्यक हो:-** दिन, दिनांक, महिना और वर्ष को बदल बदल कर बच्चों से अभ्यास करवाया जाय तो बच्चे जल्दी सीख जाते हैं।

धन्यवाद।

नाम:- अवधेश राम
विद्यालय का नाम:- उत्क्रमित मध्य विद्यालय बहुआरा
प्रखंड:- भभुआ
जिला:- कैमूर
whatsapp no. :- 8581943379
email id:- awadheshram54@gmail.com

रंगोली विशेष

सरौनी कला, मधेपुरा

प्राथमिक विद्यालय मोहम्मदपुर, मोहनियां

प्राथमिक विद्यालय सरेवा, मोहनिया

फोटो ऑफ द मंथ भाग 1

हेकाक इंस्टीट्यूशन मध्य विद्यालय
लहेरियसराय दरभंगा

उत्क्रमित मध्य विद्यालय, खजरा, आंचल
मोहनिया, कैमूर
narzo Shot on narzo 50 Pro 5G

उर्दू प्राथमिक विद्यालय अखलासपुर,
भभुआ

फोटो ऑफ द मंथ भाग 2

प्राथमिक विद्यालय मोहम्मदपुर, मोहनियां

UHS हरदासपुर , कुदरा

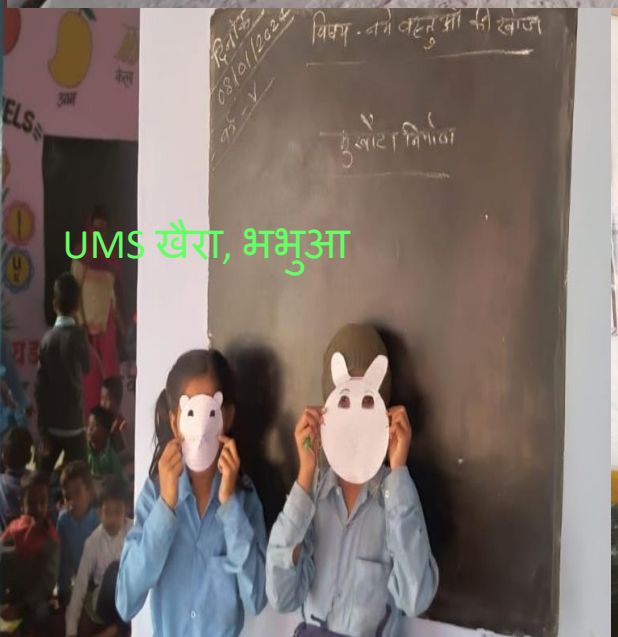

UMS खैरा, भभुआ

UMS सिलौटा, भभुआ

फोटो ऑफ द मंथ भाग 3

UMS दुघरा, भभुआ

UHS कोटा नुआंव

फोटो ऑफ द मंथ भाग 4

प्राथमिक विद्यालय फुलवारी शरीफ , पटना

UMS खैरा, भभुआ

शिक्षा शब्दकोश

सस्वर वाचन

स्वर सहित पढ़ते हुए अर्थ ग्रहण करने को सस्वर वाचन कहा जाता है। यह वाचन की प्रारम्भिक अवस्था होती है। वर्णमाला के लिपिबद्ध वर्णों की पहचान सस्वर वाचन के द्वारा ही करायी जाती है। लिखित सामग्री को बिना आवाज निकाले पढ़ना मौन वाचन कहलाता है।

NEWS COVERAGE

पांचवें स्थापना दिवस के अवसर पर टीचर्स ऑफ़ बिहार ने जारी किया एमडीएम कैलकुलेटर सहित कई कार्यक्रम

टीचर्स ऑफ बिहार के "पांच साल, बेमिसाल" पूरे होने के उपलक्ष्य में बिहार के शिक्षकों ने जलाया घी का दीये

खबरों की तह तक

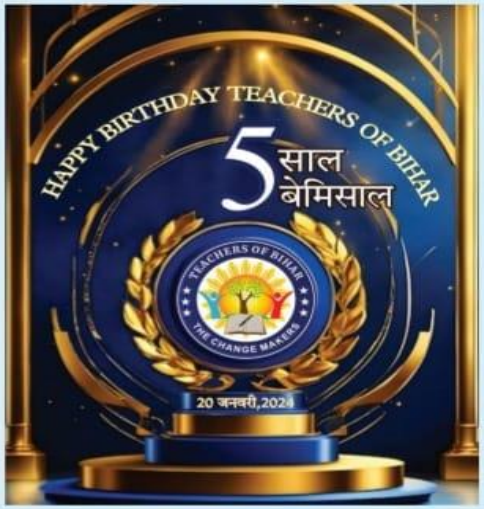

पटना/डा. रूद्र किंकर वर्मा। शिक्षा एवं शिक्षकों से जुड़े सभी हिताधिकारियों के द्वारा किये जा रहे शैक्षिक प्रयासों को साझा करने, नवाचारों से सीखने और लागू करने का अवसर और पहचान प्रदान करने के उद्देश्य से 20 जनवरी 2019 को संजय कुमार सिंह (भा.प्र.से.) राज्य परियोजना निदेशक, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद पटना, तकनीकी विशेषज्ञ शिवेंद्र प्रकाश सुमन के तकनीकी सहयोग से पटना जिले के शिक्षक शिव कुमार के एवं अन्य 200 गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में पटना स्थित होटल चाणक्य में बिहार की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार की शुरुआत की गई। वर्तमान में टीचर्स ऑफ बिहार के विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से लाखों शिक्षक जुड़कर अपने नवाचारी शिक्षण कौशल का आदान-प्रदान कर बिहार के शैक्षिक परिदृश्य को राष्ट्रीय पटल पर एक अलग पहचान स्थापित करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं।विदित हो कि 20 जनवरी 2024 को टीचर्स ऑफ बिहार के "पांच साल, बेमिसाल" पूरे होने के उपलक्ष्य में पांचवें स्थापना दिवस के अवसर पर ऑनलाइन गूगल मीट के माध्यम से बिहार के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने घी के दीए जलाकर अपने बिहार के शैक्षिक बेहतरी के लिए संकल्प लिया। 20 जनवरी से 20 फरवरी तक चलने वाले इस स्थापना महोत्सव की शुरुआत बिहार राज्य प्रार्थना के रचयिता एम. आर. चिश्ती रचित टीचर्स ऑफ बिहार गीत के माध्यम से की गई। टीचर्स ऑफ बिहार के पांचवे स्थापना महोत्सव के अवसर पर टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार के द्वारा बिहार के शिक्षकों के लिए टीचर्स ऑफ बिहार से संबंधित बारम्बार पूछे जाने वाले प्रश्न (एफएक्यू) टीचर्स ऑफ बिहार के वेबसाइट पर जारी किया गया है। जिसमें सभी प्रश्नों के उत्तर की सटीक व्याख्या की गई है। टीचर्स ऑफ बिहार के पांचवें स्थापना दिवस के अवसर पर बिहार के शिक्षकों के लिए पीएम पोषण शक्ति निर्माण योजना के सफल क्रियान्वयन एवं सुलभ दस्तावेजीकरण हेतु कैमूर जिले के शिक्षक रिजवान रिजवी की परिकल्पना के आधार पर इनके पुत्र अमीर हमजा नालंदा के द्वारा विकसित एवं तकनीकी विशेषज्ञ शिवेंद्र प्रकाश सुमन के तकनीकी सहयोग से एमडीएम कैलकुलेटर का निर्माण किया गया है। इस कैलकुलेटर के माध्यम से अद्यतन साप्ताहिक मेन्यू के अनुसार तिथि एवं बच्चों की वर्गवार संख्या के आधार पर सामग्री की मात्रा एवं राशि की गणना का परिणाम प्राप्त कर सकते हैं। एक महीने तक चलने वाली इस स्थापना महोत्सव में बिहार के कैमूर जिले के शिक्षक धीरज कुमार के द्वारा टैलेंट हंट सर्च प्रतियोगिता के अंतर्गत लोक गीत प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है जिसमें वर्ग 1 से 5 ,6 से 8 एवं 9 से 10 के बच्चें भाग ले सकेंगे। इससे संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए टीचर्स ऑफ बिहार के वेबसाइट पर उपलब्ध है।साथ ही महोत्सव में पदाधिकारियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों से अनुरोध किया गया कि वो अपने शुभकामना संदेश भी टीचर्स का बिहार की वेबसाइट पर टेस्टिमोनियल टैब में अवश्य प्रेषित करें। इस स्थापना महोत्सव के अवसर पर सिवान जिले की शिक्षिका अनुपमा प्रियदर्शिनी एवं किशनगंज जिले की शिक्षिका निधि चौधरी के निर्देशन में काव्य सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। जिसमें पूरे बिहार के शिक्षक एवं शिक्षिका भाग ले सकेंगे। स्थापना दिवस पर ऑनलाइन माध्यम से आयोजित कार्यक्रम में टीम लीडर्स, विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के मॉडरेटर, विभिन्न जिले के डिस्ट्रिक्ट मेंटर्स ने संबोधित किया। स्थापना महोत्सव कार्यक्रम का संचालन मुजफ्फरपुर जिले के मुरौल प्रखंड स्थित उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय ईटहा की नव नियुक्त शिक्षिका दीप शिखा पाण्डेय ने किया। इसकी जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता अररिया जिले के शिक्षक रंजेश कुमार ने दी।

NEWS COVERAGE

अपने पांचवें स्थापना दिवस के अवसर पर टीचर्स ऑफ़ बिहार ने जारी किया एमडीएम कैलकुलेटर सहित कई कार्यक्रम

टीचर्स ऑफ बिहार के पांच साल, बेमिसाल पूरे होने के उपलक्ष्य में बिहार के शिक्षकों ने जलाया घी का दीया

पटना। शिक्षा एवं शिक्षकों से जुड़े सभी हिताधिकारियों के द्वारा किये जा रहे शैक्षिक प्रयासों को साझा करने, नवाचारों से सीखने और लागू करने का अवसर और पहचान प्रदान करने के उद्देश्य से 20 जनवरी 2019 को संजय कुमार सिंह (भा.प्र.से.) राज्य परियोजना निदेशक, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद पटना, तकनीकी विशेषज्ञ शिवेंद्र प्रकाश सुमन के तकनीकी सहयोग से पटना जिले के शिक्षक शिव कुमार के एवं अन्य 200 गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में पटना स्थित होटल चाणक्य में बिहार की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार की शुरुआत की गई। वर्तमान में टीचर्स ऑफ बिहार के विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से लाखों शिक्षक जुड़कर अपने नवाचारी शिक्षण कौशल का आदान-प्रदान कर बिहार के शैक्षिक परिदृश्य को राष्ट्रीय पटल पर एक अलग पहचान स्थापित करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं। विदित हो कि 20 जनवरी 2024 को टीचर्स ऑफ बिहार के पांच साल, बेमिसाल पूरे होने के उपलक्ष्य में पांचवें स्थापना दिवस के अवसर पर ऑनलाइन गूगल मीट के माध्यम से बिहार के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने घी के दिए जलाकर अपने बिहार के शैक्षिक बेहतरी के लिए संकल्प लिया। 20 जनवरी से 20 फरवरी तक चलने वाले इस स्थापना महोत्सव की शुरुआत बिहार राज्य प्रार्थना के रचयिता एम. आर. चिश्ती रचित टीचर्स ऑफ बिहार गीत के माध्यम से की गई।

टीचर्स ऑफ बिहार के पांचवे स्थापना महोत्सव के अवसर पर टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार के द्वारा बिहार के शिक्षकों के लिए टीचर्स ऑफ बिहार से संबंधित बारम्बार पूछे जाने वाले प्रश्न (एफएक्यू) टीचर्स ऑफ बिहार के वेबसाइट पर जारी किया गया है। जिसमें सभी प्रश्नों के उत्तर की सटीक व्याख्या की गई है। टीचर्स ऑफ बिहार के पांचवें स्थापना दिवस के अवसर पर बिहार के शिक्षकों के लिए पीएम पोषण शक्ति निर्माण योजना के सफल क्रियान्वयन एवं सुलभ दस्तावेजीकरण हेतु कैमूर जिले के शिक्षक रिजवान रिजवी की परिकल्पना के आधार पर इनके पुत्र अमीर हमजा नालंदा के द्वारा विकसित एवं तकनीकी विशेषज्ञ शिवेंद्र प्रकाश सुमन के तकनीकी सहयोग से एमडीएम कैलकुलेटर का निर्माण किया गया है।

की उड़ान

बिहार दर्शन

मोतिहारी, मंगलवार
02 जनवरी, 2024

8

टैलेंट विद्यार्थी सम्मान समारोह आयोजित

बीव दर्शन/कैमूर।

वर्ष 2023 के अंतिम दिन कैमूर जिले के भभुआ शहर के स्मार्ट बाजार मॉल के नीचे एस एंड जे फन जोन के परिसर में टीचर्स ऑफ बिहार बालमन पत्रिका के प्रधान संपादक धीरज कुमार सह शिक्षक उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा, भभुआ के द्वारा आयोजित विद्यार्थी सम्मान समारोह में टैलेंट सर्च प्रतियोगिता के विजेता बच्चों को सम्मानित किया गया।बालमन पत्रिका के प्रधान संपादक धीरज कुमार द्वारा जानकारी देते हुए बताया गया की विगत 24 माह से e- मैगजीन बालमन पत्रिका का मासिक प्रकाशन किया जा रहा हैइसी के साथ -साथ प्रत्येक माह एक अलग थीम का चयन कर बच्चों के बीच टैलेंट सर्च प्रतियोगिता के नाम से प्रतियोगिता कराई जाती हैजिसे सबसे पहले बालमन के शिक्षको के द्वारा अपने विद्यालय में प्रतियोगिता आयोजन करते हुए चयनित बच्चो की प्रतिभा को ग्रुप में प्रेषित किया जाता हैप्रखंड स्तर से जिला स्तर पर निर्णायक मंडल समूह के सदस्यो की सहायता से तीन श्रेणी वर्ग 1 से 5 तक ,वर्ग 6 से 8 तक और वर्ग 9 से 12 तक के प्रत्येक तीन श्रेणी में से सर्वश्रेष्ठ तीन बच्चो या कभी -कभी मजबूत प्रतिस्पर्धा रहने पर तीन से अधिक बच्चों को चयनित कर टीचर्स ऑफ बिहार बालमन पत्रिका के द्वारा एक कार्यक्रम आयोजित कर विगत कई माह से सम्मानित किया जा रहा हैइसी कड़ी में इस बार शून्य निवेश में रद्दी वस्तुओ से मूर्ति निर्माण, ऐतिहासिक स्मारक आदि का निर्माण कार्य की थीम पर प्रतियोगिता का आयोजन किया गयाविजेता बच्चो को भभुआ शहर में स्मार्ट बाजार के नीचे एस एंड जे फन जोन परिसर में बालमन के संपादक धीरज कुमार द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में कुल 11 बच्चो को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चांद प्रखंड के प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी श्री सत्यनारायण साह,भभुआ नगर परिषद के पूर्व सभापति जैनेंद्र कुमार आर्य उर्फ जौनी आर्य ,रिलायंस स्मार्ट बाजार से अजीत कुमार,और प्रमोद कुमार ,संजय कुमार के द्वारा फीता काट कर सह दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।इसके बाद शिक्षक धीरज कुमार,प्रमोद कुमार निराला और राजेश कुमार सिंह द्वारा उपस्थित सभी अतिथियों को माला पहना कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में सभी बच्चों,अभिभावकों और शिक्षको के द्वारा परिचय सह बालमन के कार्यों पर चर्चा करते हुए इस तरह के आयोजन की खूब सराहना की गई।सभी अतिथियों के द्वारा भी सरकारी विद्यालय के विजेता बच्चो के मॉडल को अच्छे से देखते हुए दिल खोल के तारीफ की गई। सीमित संसाधन में भी टीचर्स ऑफ बिहार बालमन द्वारा सरकारी विद्यालय के बच्चो से उनकी प्रतिभा को निखारना एक सराहनीय प्रयास है।कार्यक्रम मे तीन श्रेणी प्रथम स्थान प्राप्त तीन बच्चो को मिल्टन का गर्म खाना रहने वाला लंच बॉक्स,द्वितीय स्थान पर रहे तीन बच्चो को टीवार घड़ी और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले पांच बच्चों को कलर सेट के साथ सभी को सर्टिफिकेट दे कर सम्मानित सह प्रोत्साहित किया गया ।कार्यक्रम के समापन के बाद सभी को मसाला डोसा खिला कर कार्यक्रम का समापन किया गया।इस कार्यक्रम में बालमन पत्रिका के प्रधान संपादक धीरज कुमार,(उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिलौटा, भभुआ) बालमन चांद के प्रधान संपादक प्रमोद कुमार निराला(कन्या मध्य विद्यालय चांद),विज्ञान और गणित कॉर्नर के राजेश कुमार सिंह और प्रतिभा पाण्डेय(महावत भुगनाथ +2 उच्च माध्यमिक विद्यालय कोरिगावा बहेरा),खुशबू कुमारी(उत्क्रमित मध्य विद्यालय दुघरा,भभुआ, मीरा कुमारी(उत्क्रमित मध्य विद्यालय भतुवारी,चांद) सहित कृष्ण कुमार आर्य,आनंद भूषण भारती अन्य शिक्षक और अभिभावक उपस्थित रहे।

वर्ग 1 से 5 तक में विजेता का नाम

प्रथम
नाम :अंशु कुमारी
वर्ग :5
विद्यालय : उत्क्रमित मध्य विद्यालय अर्रा
प्रखंड :मोहनिया

द्वितीय
नाम :संतिमा कुमारी
वर्ग :5
विद्यालय :उत्क्रमित मध्य विद्यालय भोखरी
प्रखंड :मोहनियां

तृतीय
नाम :सत्यम कुमार
वर्ग :5
विद्यालय :NPS भेरी
प्रखंड :चांद

वर्ग 6 से 8 तक में विजेता का नाम-

प्रथम
नाम :प्रेमशिखा कुमारी
वर्ग :8
उत्क्रमित मध्य विद्यालय अर्रा
प्रखंड : मोहनियां

द्वितीय
नाम :अंजली कुमारी
वर्ग :7
विद्यालय :उत्क्रमित मध्य विद्यालय अर्रा
प्रखंड : मोहनियां

तृतीय
(A) नाम :अंशिका कुमारी
वर्ग :7
विद्यालय :उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय सलथुआ
प्रखंड :कुदरा
(B) नाम :ओमप्रकाश कुमार
वर्ग :8
विद्यालय :उत्क्रमित मध्य विद्यालय बहेरियां
प्रखंड :चांद
(C) नाम :आशीष कुमार
वर्ग: 8
विद्यालय :उत्क्रमित मध्य विद्यालय दुघरा
प्रखंड :भभुआ

वर्ग 9 से 12 में विजेता का नाम:

प्रथम
नाम :श्रेया कुमारी
वर्ग: 9
राज्य संपोषित बालिका उच्च विद्यालय भभुआ
प्रखंड : भभुआ

द्वितीय
नाम :अंजली केशरी
वर्ग :10
विद्यालय :उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय छाव
प्रखंड : दुर्गावती

तृतीय
नाम :नेहा कुमारी
वर्ग : 9
विद्यालय : उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय कोटा
प्रखंड : नुआंव

खबरों की तह तक
निडर और निष्पक्ष
www.kktt.in kkttbihar@gmail.com
पटना, सोमवार, 22 जनवरी, 2024
03

अपने पांचवें स्थापना दिवस के अवसर पर टीचर्स ऑफ़ बिहार ने जारी किया एमडीएम कैलकुलेटर सहित कई कार्यक्रम

टीचर्स ऑफ बिहार के "पांच साल, बेमिसाल" पूरे होने के उपलक्ष्य में बिहार के शिक्षकों ने जलाया घी का दीया

खबरों की तह तक

पटना। शिक्षा एवं शिक्षकों से जुड़े सभी हिताधिकारियों के द्वारा किये जा रहे शैक्षिक प्रयासों को साझा करने, नवाचारों से सीखने और लागू करने का अवसर और पहचान प्रदान करने के उद्देश्य से 20 जनवरी 2019 को संजय कुमार सिंह (भा.प्र.से.) राज्य परियोजना निदेशक, बिहार शिक्षा परियोजना परिषद पटना, तकनीकी विशेषज्ञ शिवेंद्र प्रकाश सुमन के तकनीकी सहयोग से पटना जिले के शिक्षक शिव कुमार के एवं अन्य 200 गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में पटना स्थित होटल चाणक्य में बिहार की सबसे बड़ी प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी टीचर्स ऑफ बिहार की शुरुआत की गई। वर्तमान में टीचर्स ऑफ बिहार के विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से लाखों शिक्षक जुड़कर अपने नवाचारी शिक्षण कौशल का आदान-प्रदान कर बिहार के शैक्षिक परिदृश्य को राष्ट्रीय पटल पर एक अलग पहचान स्थापित करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं। विदित हो कि 20 जनवरी 2024 को टीचर्स ऑफ बिहार के "पांच साल, बेमिसाल" पूरे होने के उपलक्ष्य में पांचवें स्थापना दिवस के अवसर पर ऑनलाइन गूगल मीट के माध्यम से बिहार के शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने घी के दिए जलाकर अपने बिहार के शैक्षिक बेहतरी के लिए संकल्प लिया। 20 जनवरी से 20 फरवरी तक चलने वाले इस स्थापना महोत्सव की शुरुआत बिहार राज्य प्रार्थना के रचयिता एम. आर. चिश्ती रचित टीचर्स ऑफ बिहार गीत के माध्यम से की गई। टीचर्स ऑफ बिहार के पांचवे स्थापना महोत्सव के अवसर पर टीचर्स ऑफ बिहार के फाउंडर शिव कुमार के द्वारा बिहार के शिक्षकों के लिए टीचर्स ऑफ बिहार से संबंधित बारम्बार पूछे जाने वाले प्रश्न (एफएक्यू) टीचर्स ऑफ बिहार के वेबसाइट पर जारी किया गया है। जिसमें सभी प्रश्नों के उत्तर की सटीक व्याख्या की गई है। टीचर्स ऑफ बिहार के पांचवें स्थापना दिवस के अवसर पर बिहार के शिक्षकों के लिए पीएम पोषण शक्ति निर्माण योजना के सफल क्रियान्वयन एवं सुलभ दस्तावेजीकरण हेतु कैमूर जिले के शिक्षक रिजवान रिजवी की परिकल्पना के आधार पर इनके पुत्र अमीर हमजा नालंदा के द्वारा विकसित एवं तकनीकी विशेषज्ञ शिवेंद्र प्रकाश सुमन के तकनीकी सहयोग से एमडीएम कैलकुलेटर का निर्माण किया गया है। इस कैलकुलेटर के माध्यम से अद्यतन साप्ताहिक मेन्यू के अनुसार तिथि एवं बच्चों की वर्गवार संख्या के आधार पर सामग्री की मात्रा एवं राशि की गणना का परिणाम प्राप्त कर सकते हैं। एक महीने तक चलने वाली इस स्थापना महोत्सव में बिहार के कैमूर जिले के शिक्षक धीरज कुमार के द्वारा टैलेंट सर्च प्रतियोगिता के अंतर्गत लोक गीत प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है जिसमें वर्ग 1 से 5 ,6 से 8 एवं 9 से 10 के बच्चे भाग ले सकेंगे। इससे संबंधित विस्तृत जानकारी के लिए टीचर्स ऑफ बिहार के वेबसाइट पर उपलब्ध है। साथ ही महोत्सव में पदाधिकारियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों से अनुरोध किया गया कि वो अपने शुभकामना संदेश भी टीचर्स का बिहार की वेबसाइट पर टेस्टिमोनियल टैब में अवश्य प्रेषित करें। इस स्थापना महोत्सव के अवसर पर सिवान जिले की शिक्षिका अनुपमा प्रियदर्शिनी एवं किशनगंज जिले की शिक्षिका निधि चौधरी के निर्देशन में काव्य सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। जिसमें पूरे बिहार के शिक्षक एवं शिक्षिका भाग ले सकेंगे। स्थापना दिवस पर ऑनलाइन माध्यम से आयोजित कार्यक्रम में टीम लीडर्स, विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के मॉडरेटर, विभिन्न जिले के डिस्ट्रिक्ट मेंटर्स ने संबोधित किया। स्थापना महोत्सव कार्यक्रम का संचालन मुजफ्फरपुर जिले के मुरौल प्रखंड स्थित उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय ईटहा की नव नियुक्त शिक्षिका दीप शिखा पाण्डेय ने किया। इसकी जानकारी टीचर्स ऑफ बिहार के प्रदेश प्रवक्ता अररिया जिले के शिक्षक रंजेश कुमार एवं प्रदेश मीडिया संयोजक पूर्वी चंपारण जिले के शिक्षक मृत्युंजय ठाकुर ने संयुक्त रूप से दी।

Thank You

अगर आपको पत्रिका अच्छी लगी हो तो कृपया इसे अधिक से अधिक शेयर करे।

यदि आपके कोई सुझाव हो तो 9431680675 पर संपर्क कर सकते है।

www.teachersofbihar.org